डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 313 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 29 अगस्त 2024 | मूल्य 2 रुपया

बिजली बिल के बकायादारों के नाम उजागर करेगी कंपनी

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सरकारी बिजली कंपनियों ने बड़ा फैसला लिया है। जो उपभोक्ता बिजली का बिल नहीं भरेगा उसे कंपनी उसका नाम उजागर कर देगी। इसके लिए बिजली कंपनी कई माध्यमों का सहारा लेगी। बिजली के बड़े बकायादारों के नाम और उनकी बिल राशि सोशल मीडिया से लेकर शहर के चौराहों तक पर लिखे जाएंगे। वाट्सएप ग्रुप पर भी उनके नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। बिजली बिल की बकाया राशि लगातार बढ़ती जाने के बाद कंपनियों ने यह कदम उठाया है। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बडे बकायादारों के नाम सोशल मीडिया पर वायरल करने की तैयारी कर ली है। बताया जा रहा है कि 16 जिलों के बड़े बकायादारों के नाम की लिस्ट बन चुकी है। फिलहाल बिजली बिल के 20 प्रमुख बकायादारों के नाम सार्वजनिक किए जा रहे हैं। बिजली कंपनी इन उपभोक्ताओं के नाम वाट्सएप, फेसबुक... **शेष पेज 4 पर**

जिले में होती है अफीम की खेती, मादक पदार्थ परिवहन की भी पुलिस के पास आती है सूचनाएं...

होटलों की जांच केवल दो राष्ट्रीय त्यौहार और चुनाव तक सीमित!

फायर एनओसी में होटल, लॉज व धर्मशाला के मापदंड जांचने में कोताही

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला मादक पदार्थ यानी अफीम की खेती के लिए पूरे देश में मशहूर है। अफीम की पैदावार के साथ इसकी सरकारी खरीदी होती है। लेकिन, कई बार अफीम अथवा डोडा चूरा के अवैध परिवहन की भी सूचनाए पुलिस के पास आती है। अनेक बाद मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े आरोपी मंदसौर जिले के बाहर के निवासी निकले हैं। साथ ही पंजाब, राजस्थान के आरोपी भी निकले हैं। ऐसी स्थिति में समझा जा रहा है कि शहर सहित जिले के होटलों, लॉजों एवं धर्मशालाओं की समय-समय पर चेकिंग की जानी चाहिए। वैसे पुलिस विभाग द्वारा चेकिंग की जाती है, लेकिन चेकिंग का पैमाना दो राष्ट्रीय त्यौहार और चुनावी मौसम तक सीमित रहने लगा है। राष्ट्रीय त्यौहार स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस हैं, जिसके पूर्व पुलिस महकमे द्वारा डॉग स्कवाड की मदद से जांच पड़ताल की जाती रही है। साथ ही रजिस्टर व अन्य कागजातों की भी चेकिंग की जाती है। लेकिन, इस बार स्वतंत्रता दिवस पर होटलों व धर्मशालाओं व लॉजों की की जांच हुई है, यह सामने नहीं आ पाया है।

शहर और जिले में होटलों का संचालन भी बढ़ने लगा है। पूर्व में ठहरने के वैध स्थान बहुत कम होते थे। लेकिन, ये अब बढ़ने लगे हैं। दूसरी ओर मंदसौर शहर और जिले में अपराधों की संख्या भी बढ़ी है। पिछले महीनों पर गौर करें तो शहर में आए दिन बाईक चोरी के साथ अन्य अपराध भी हुए हैं। कुछ माह पूर्व पुलिस विभाग ने सभी होटल, धर्मशाला संचालकों की एक बैठक ली थी, जिसमें विदेशी व्यक्ति के ठहरने आदि की जानकारियां तुरंत देने के लिए निर्देशित किया गया था। इस बैठक के बाद निर्देशों का अपटेड नहीं हो पाया। बता दें कि इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि संदिग्ध व्यक्ति होटलों में नहीं ठहरते हों। होटल में ठहरने के लिए बकायदा संबंधित व्यक्ति की पहचान और आधार कार्ड सहित पूरा परिचय जरूरी होता है। होटलों में नियम-कायदे के पोस्टर भी टांगने की हिदायतें दी जाती रही है। दूसरी ओर नजर डालें तो बाहरी राज्यों व जिलों में कई बार होटलों में आगजनी जैसी घटनाएं भी हुई है। फायर एनओसी सिस्टम के मापदंड जांचने की भी जरूरत है। पिछले महीनों में निजी अस्पतालों को ही फायर एनओसी आदि मापदंड की जांच पडताल के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं। उसी मान से जिम्मेदारों को होटलों व धर्मशालाओं की राष्ट्रीय त्यौहार व चुनाव के अलावा भी समय-समय पर जांच-पड़ताल की जाती रहनी चाहिए।

होटल संचालकों को देना चाहिए जानकारियां, तालमेल का अठाव- होटल संचालकों का रजिस्टर मेंटेन है कि नहीं, इसे भी खंगालने में बेपरवाही जारी है । मंदसौर जिला किसान आंदोलन के बाद वैसे ही चर्चित रहा है, ऐसे में चुनावी मौसम में होटलों, धर्मशालाओं की पड़ताल एक जरूरी पहलू है। बता दें कि शहर सहित जिलेभर में कई होटलें है, जहां बाहर से आए हुए लोग रुकते हैं। होटलों में रुकने वालों की सही जानकारी पुलिस तक पहुंच रही है कि नहीं यह भी सार्वजनिक नहीं हो पाया है । बताते हैं कि कई बार होटल वाले पुलिस तक सही जानकारी पहुंचाते नहीं है। पूर्व महीनों में एक होटल संचालक ने बताया था कि नियम... **शेष पेज 4 पर**

जिला मुख्यालय और नगरीय मुख्यालय के स्कूलों पर पोस्टिंग की रहती है चाहत...

अतिशेष शिक्षकों के लिए चला शासन का डंडा..!

कई स्कूलों में तय विद्यार्थियों के मान से ज्यादा पदस्थ हैं शिक्षक, ये है गलत

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले में कई स्कूल ऐसे हैं जहां अतिशेष शिक्षक हैं। अतिशेष शिक्षकों के लिए पूर्व में शिक्षकों की कमी वाली शाला में भेजने के कहा जाता रहा है। वर्तमान में 27 अगस्त को संचालक लोक शिक्षण ने सचिवालय से एक आदेश जारी किया है, उसमें अतिशेष शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से शिक्षकों की कमी वाले शालाओं में भेजने के लिए कहा गया है। यानी लिखित में यह निर्देश मिले हैं। निर्देश के तहत काउंसलिंग की दिनांक निर्धारित कर अतिशेष शिक्षक अपनी शाला चयन करें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो खुद उत्तरदायी होंगे। आदेश में यह भी स्पष्ट गया है कि शालावार पदों की स्वीकृति कर पोस्ट मेपिंग भी करवाई जाए। इसी के आधार पर वेतन आहरण होगा। यदि अतिशेष शिक्षक पाए जाते हैं तो वेतन आहरण में उन शिक्षकों के लिए परेशानी भरा रहेगा। हालांकि लोक शिक्षण आयुक्त द्वारा दिए गए इस निर्देशों का मंदसौर जिले में कितना पालन होता है, यह भी देखने लायक रहेगा।

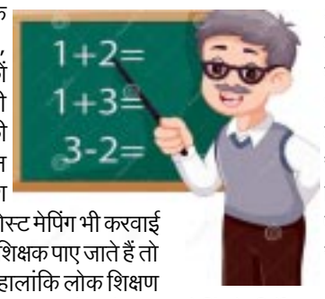

जिले में सरकारी स्कूलों की स्थिति का पता शिक्षा विभाग को रहता है। जिला मुख्याल पर ही नजर डालें तो आसपास क्षेत्र के स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या के मान से शिक्षकों की पदस्थापना ज्यादा है। ऐसे शिक्षक केवल हस्ताक्षर कर तनख्वाह पाने के हकदार रह गए हैं। पढ़ाने की बात तो अलग हो गई है। यही नहीं नगरीय मुख्यालयों व इसके आसपास क्षेत्र में भी सरकारी स्कूलों में अतिशेष शिक्षकों की संख्या मिल जाएगी। माना जाता है कि संबंधित शिक्षक ज्यादा दूर पदस्थापना नहीं किए जाने की चाहत रखते हैं ताकि उनका दूसरा कार्य भी आसानी से चलायमान रहे। महिला शिक्षकों को भी उनके निवास स्थान से कुछ ही दूरी पर स्थित स्कूलों में पदस्थापित किया जाता रहा है। अटेचमेंट के नाम पर शिक्षा विभाग में इस तरह की गतिविधि सामान्य बातें बताई जाती है। लेकिन लोक शिक्षण आयुक्त का जो आदेश आया है, उसके अनुसार पोस्ट मेपिंग करवाई जाएगी, उसके अनुसार ही शिक्षकों की पदस्थापना रहेगी। यानी अतिशेषक शिक्षकों को शिक्षकों की कमी वाला शालाओं में भेजने के आदेश दिए गए हैं। ऐसे शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से एक अवसर दिया गया है। इसके चलते वे शालाएं चुन सकते हैं। ऐसा नहीं होता है वे संबधित शिक्षक स्वयं उत्तरदायी माना जाएगा। मजेदार बात यह है कि पोस्ट मेपिंग के बाद ही वेतन आहरण होगा, अन्य वेतन आहरण रुकने के भी संकेत नजर आ रहे हैं।

सॉफ्टवेयर में शालावार पदों की स्वीकृति के आधार पर मेपिंग के निर्देश- हाल ही में 27 अगस्त को जारी लोक शिक्षण आयुक्त के निर्देश के अनुसार आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर में शालावार पदों की स्वीकृति के आधार पर पोस्ट मेपिंग करवाई जाएगी। उसी के अनुसार ही वेतन आहरण करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसी स्थिति में अतिशेष शिक्षकों की सुविधा की दृष्टि से उनके लिए काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है। काउंसलिंग के लिए भी सभी को सूचित करने के लिए कहा गया है। कहा गया है कि काउंसलिंग में भाग लेकर अतिशेष शिक्षक अपनी संबंधित शाला का चयन करें, अन्यथा वे स्वयं उत्तरदायी रहेंगे।

इनका कहना- इस संबंध में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी लोकेन्द्र डाबी से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनका मोबाईल नॉट रिचेबल मिला, दो बार फोन लगा, जबकि उन्होंने रिसीव नहीं किया।

पशुपतिनाथजी मंदिर राशि की गणना हुई पुरी : 37 लाख पार पहुंची चढ़ौत्री

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पशुपतिनाथजी मंदिर स्थित दानपेटियों की गणना पूर्व में दो दिनी चली थी। इसमें 29 लाख रूपए गिने गए थे। चिल्लर की गणना बाकी थी। बुधवार को चिल्लर व शेष रूपयों की गणना हुई। इसके चलते चढ़ौत्री की राशि 37 लाख पार हो गई यानी कुल दानराशि 37 लाख 30 हजार 242 रूपए प्राप्त हुई है।

बता दें कि पशुपतिनाथजी मंदिर की दान पात्र से प्राप्त दान राशि की गणना की गई थी। पहले दिन 22 अगस्त को 19,99,500 प्राप्त हुए। दूसरे दिन 23 अगस्त को 9,92,750 रूपए गिने गए। तीसरी बार यानी 28 अगस्त को चिल्लर

आदि की गणना में राशि 7 लाख 37 हजार 992 प्राप्त हुई। इसके अलावा विदेशी मुद्रा में नेपाल के 8 नोट एवं अरब अमीरात 5 डॉलर के 2 करेंसी, थाईलैंड का 20 की एक करेंसी, इंडोनेशिया देश की 17 करेंसी, विदेशी सिक्के 5 नग, चांदी का आइटम लगभग 50 ग्राम प्राप्त हुआ है।

गणेश चतुर्थी की तैयारी

गणेशोत्सव का दस दिवसीय त्यौहार नजदीक आने वाला है। इसके चलते गणेश प्रतिमाओं पर रंग रोगन व श्रृंगार होने लगा है। बाजार में मूर्तिया बेचने वालो के पंडाल भी तैयार होने लगे हैं।

शहर विकास के नए मास्टर प्लान के इंतजार में 13 साल बीते

खास नहीं आमजन के हिसाब से बनना चाहिए मास्टर प्लान की योजना

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर का 2031 की अवधि वाला नया मास्टर प्लान आपत्तियों के बीच भोपाल में अटका हुआ है। खास बात ये है कि 2001 में आखिरी बार बने (2011 तक प्रस्तावित था) मास्टर प्लान पर भी ढंग से अमल नहीं हुआ। शहर डेवलपमेंट के नए प्लान के इंतजार में 13 साल गुजर चुके हैं। रसूखदारों के सिपाहियों की भी दावे आपत्तियां मास्टर प्लान के बीच रोडा बन रही है। कई लोग खुलकर सामने नहीं आ पा रहे तो अपने छर्रों से आपत्तियां लगवाकर कहीं न कहीं मास्टर प्लान की राह में रोडा बन रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मास्टर प्लान सरकार और सत्ता में पॉवर परिवर्तन से खासा प्रभावित होता गया। पॉवर जिस नेता के पास आया, उसने अपने हिसाब से मास्टर प्लान तैयार होने का सपना देखा। जबकि नीमच मे मास्टर प्लान स्वीकृत भी हो चुका है।

वैसे हर 10 साल में बढ़ती आबादी, नए उद्योग, शहर विस्तार और मूलभूत जरूरतों को ध्यान में रखकर प्लान बनता है। नए प्लान में तमाम औद्योगिक क्षेत्र को शहरी सीमा से 6 किलोमीटर दूर जग्गाखेड़ी में शिफ्ट करने की योजना है। साथ शहर में जहां-जहां 12 मीटर से ज्यादा चौड़ी सड़कें हैं। वहां कमर्शियल बदलाव होना है। पड़ोसी जिले नीमच में प्लान मंजूर हो गया लेकिन मंदसौर पर अटका हुआ है। वहीं 2011 से 2021 का प्लान बन ही नहीं पाया। अब 2031 तक की प्लानिंग भी धरातल पर नहीं आ पा रही है। दरअसल अगले एक दशक की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शहर के मास्टर प्लान तैयार होते हैं। इसमें शहरी सीमा से लगे नए गांव जोड़ने के प्रस्ताव से लेकर प्लानिंग एरिया वर्ग मीटर तक बढ़ाना, मौजूदा लैंड यूज का नक्शा देखने के साथ ही बड़े प्लानिंग एरिया के मौजूदा लैंड यूज का नक्शा भी जारी होता है। ग्रीन बेल्ट क्षेत्र, गांवों के डेवलपमेंट रूल्स तक तैयार करना होता है। इस तरह प्लान बनता है तो एरिया कुछ गुना बढ़ जाता है। मास्टर प्लान के इंतजार में कारोबारी क्षेत्र तक भी इसका असर देखने को मिला है। प्रॉपर्टी ब्रोकरों के अनुसार प्लान फाइनल करने में देरी उचित नहीं। तहसील, ग्रामीण क्षेत्र के कई लोग जिले में आकर बसना चाहते हैं, मकान-प्लॉट लेना हैं, वे वंचित हो रहे।

मास्टर प्लान से अधिकांश क्षेत्रों में होता है आर्थिक विकास- शहरी दायरे, भौगोलिक क्षेत्र का विस्तार। उद्योगों की नई बसाहट से रोजगार के अवसर। आबादी इलाके व्यावसायिक में तब्दील होने से आर्थिक मजबूती। शिक्षा, पेयजल, बिजली, सड़कें, सीवरेज, नए पार्क, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा। विस्तार के मद्देनजर निर्माण की नई अनुमतियां जारी होना, घर-प्लॉट के सपने पूरे होते। खासकर शहर के व्यापक लेआउट में स्पष्टतौर पर भूमि के अनेक उपयोग जैसे आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्र तय होते। इस दौरान हरियाली, प्रदूषण स्तर का भी ध्यान रखा जाता। प्लान लागू ना होने चलते इन तमाम क्षेत्रों का विकास तुलनात्मक प्रभावित रहता है जो सीधा आमजन तक असर डालता है।

42 लोगों ने दो से तीन बार अलग-अलग विषय लिखकर आपत्ति ली- शहर के विकास को लेकर बने साल 2035 तक के मास्टर प्लान के प्रस्तावित ड्राफ्ट में कुल 205 दावे-आपत्तियां सामने आ चुकी हैं। खास बात ये है कि 42 लोग ऐसे थे जिन्होंने 2 से 3 बार अलग-अलग विषय लिखकर आपत्तियां लगाई। इन विषयों में भूमि प्रयोजन, कलेक्टोरेट रोड की चौडाई, ग्रीन बेल्ट, तेलिया तालाब की पाल के निचले हिस्सों और सीमांकन में ड्रोन सर्वे के औचित्य से जुड़ी अधिकांश शिकायतें शामिल रहीं। नतीजा इन आपत्तिकर्ताओं की भोपाल में डबल सुनवाई करना पड़ी। वहीं कुछ मामलों में ऑनलाइन सुनवाई के दौरान आवाज अस्पष्ट होने से भी दोबारा सुनवाई का मौका दिया गया। अगस्त के तीसरे हफ्ते में प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद प्लान का ड्राफ्ट अब नगरीय प्रशासन एवं आवास विकास मंत्रालय के पाले में जा चुका है।

तैलिया तालाब की करोड़ों की जमीन कर रही प्रभावित- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तैलिया तालाब के पेंच में मास्टर प्लान फंसा है। यहां की करोड़ोंकीमती जमीन और रसूख मास्टर प्लान को खासे प्रभावित कर रहे हैं। पहले तैलिया तालाब का सैटेलाइट सर्वे संबंधी कार्य हैदराबाद की इसरो से जुड़ी रिमोट सेंसिंग एजेंसी ने किया था। शासन ने 2001-02 के मास्टर प्लान वाले नक्शे को आधार मानकर 2035 के मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट को मंजूरी दी। इसके बाद सीमांकन रिपोर्ट में देरी के चलते सुनवाई पर भी असर आया।

इनका कहना...

सुनवाई की प्रक्रिया शासनस्तर पर पूर्ण हो चुकी है। प्लान कब लागू होगा ये बताना संभव नहीं है।

विनीता दृश्यांमकर, प्रभारी उपसंचालक टीएंडसीपी, नीमच।

मंदसौर के प्रस्तावित मास्टर प्लान को लेकर मैंने सीएम को आपत्ति दर्ज करा दी है और नए सिरे से प्लान तैयार करने की बात रखी है। अभी वाली योजना कुछ खास लोगों के हिसाब से तैयार होती प्रतीत हो रही है, जबकि आमजन के हिसाब से बननी चाहिए।

विपीन जैन, विधायक मंदसौर

भानपुरा क्षेत्र का रहने वाला है बदमाश, बच्चे से भीख मंगवाने के लिए की वारदात...

कप्तान की सूचि से 8 घंटे में बच्चे को ढूंढा, आरोपी गिरफ्तार

शामगढ़ में पड़ी पुलिस की निगाहें, यहां से पकड़ा, अपहरण से महकमे में थी हलचल

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। दशपुर कुंज बगीचे से मंगलवार दोपहर दो वर्ष के बच्चे का अपहरण होने की वारदात हुई थी। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस के साथ ही पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने भी इसमें रूचि ली। कप्तान की रूचि के चलते आठ घंटे के भीतर बच्चे को पुलिस ने ढूंढ निकाला। बच्चा शामगढ़ में मिला, जहां पुलिस ने उसे दस्तियाब किया और आरोपी को दबोच लिया। बदमाश की बच्चे का अपहरण कर उसे भीख मांगने संबंधी कार्य कराने की मंशा थी। आरोपी ने शराब के नशे में यह कृत्य किया है।

पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने प्रेसवार्ता में बताया कि बताया कि खानपुरा निवासी पीड़िता मां अपने दो वर्ष के मासूम बालक का स्वास्थ खराब होने के कारण बड़े अस्पताल आई थी। चिकित्सक के कुछ समय बाद आने की सूचना मिलने के बाद बालक को लेकर दशपुर कुंज आ गई। अपने बच्चे को बगीचे में ही छोड़कर वह पास की ही करीब 60 मीटर दूर स्थित पानी की टंकी पर पानी के लेने के लिए गई। वापिस आने पर बच्चा नहीं दिखाई दिया। बाद में मां और बालक की दादी ने उसे तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला।

बालक को बिस्किट खिलाने का कर रह था प्रयास, फिर हुई शंका- पीड़िता को शंका हुई कि उसके बालक को वहीं पास के एक व्यक्ति जो बालक को बिस्किट खिलाने का प्रयास कर रहा था। वह व्यक्ति ही अपहरण कर ले गया होगा। क्योंकि बालक के साथ ही वह व्यक्ति भी बगीचा में दिखाई नहीं दिया। बाद में कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने तुरंत बालक को खोजने का प्रयास शुरु किया। पृथक-पृथक

पुलिस टीमें घटना स्थल के एवं आसपास के सीसीटीवी कैमरा चेक करने एवं मुखबिरों से संपर्क करने व पीड़िता के रिश्तेदार परिचितों से संपर्क करने हेतु लगाई गई। मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अनेक संदिग्धों की तस्दीक तत्काल की गई।

कैमरे में आरोपी के दिखते ही सक्रिय हुआ महकमा- कोतवाली पर पदस्थ उपनिरीक्षक अभिषेक बौरासी एवं आरक्षक भानुप्रताप की टीम को सिद्धि विनायक अस्पताल के सीसीटीवी कैमरा में आरोपी के फुटेज प्राप्त हुए व इनके मुखबिर जो कि एक 10 साल की बालिका थी, उसके द्वारा आरोपी की पहचान तूफान सिंह बंजारा के रूप में की। यह भी बताया कि उक्त व्यक्ति करीब घंटों से यही अस्पताल एवं गांधी चैराहा एवं बगीचा में फालतू घूम रहा था। इस पर संदेही आरोपी के संबंध और भी जानकारी जेने पर ज्ञात हुआ कि आरोपी के द्वारा पूर्व में थाना नाहरगढ क्षेत्र के ग्राम में भी मजदूरी का काम किया था। इसने थाना शामगढ़ क्षेत्र के ग्राम तौलाखेड़ी में भी मजदूरी किया है। इस पर थाना नाहरगढ़, शामगढ़, सुवासरा एवं भानपुरा थाना पुलिस को आरोपी के प्राप्त सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराए जाकर अपने-अपने क्षेत्र के मुखबीरों एवं आम ग्रामीणजनों को सक्रिय करने की समझ देकर आरोपी व बालक का पता लगाने हेत निर्देशित किया गया।

सीतामऊ जाने वाली बस में सवार हुआ आरोपी- आरोपी के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह जानकारी मिली कि आरोपी बालक का अपहरण कर वह नेहरू बस स्टेण्ड पर लेकर गया। वहां से सीतामऊ की ओर जाने वाली बस में बैठकर रवाना हुआ। जो बस के रूट के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लगातार प्रयास करने का परिणाम रहा कि बालक आरोपी के साथ रात्रि में थाना शामगढ़ क्षेत्र में मिला। जिसका प्राथमिक उपचार शामगढ़ के शासकीय अस्पताल में कराया गया। संदेही आरोपी एवं बालक को शामगढ़ से मंदसौर लाया गया। जहां बालक की वही बालक होने की पुष्टि उसकी माता से कराई गई क्योकि बालक को कोई फोटो पुलिस के पास उपलब्ध नहीं था। बाद पुष्टि के प्रकरण में आरोपी तूफान बंजारा पिता बगदूराम उम्र 31 साल निवासी जालखेडी थाना भानपुरा जिला मंदसौर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफतार किया गया।

ऊधमसिंह चौराहे के बालाजी मंदिर समीप गृह क्लेश मिटाने से अधेड़ महिला को बहलाया...

50 कदम आगे चलो, मूड़कर मत देखना और गहने लेकर भाग गए ठगौरे

दो से तीन बदमाश थे वारदात में शामिल, नीमच की ओर भागते दिखाई दिए

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कोतवाली क्षेत्र में बाईक चोरी होने की घटनाएं आए दिन सुनने को मिल रही है। लेकिन, बुधवार को ठगौरे भी क्षेत्र में सक्रिय हुए हैं। शहर के ऊधमसिंह चौराहे पर स्थित बालाजी मंदिर के समीप ठगौरों ने एक 50 वर्षीय महिला को निशाना बनाया। महिला को गृह क्लेश मिटाने का झांसा देकर बहलाया और उसके द्वारा पहने सोने के जेवर उतरवाकर स्टील के लोटे में रखवा दिए। इस दौरान लोटे से बदमाशों ने जेवर गायब कर दिए, जिसका एहसास महिला को नहीं हुआ। ठगौरे ने महिला से कहा कि 50 कदम आगे चलो और मूड़कर मत देखना। झांसे में आई महिला 50 कदम आगे चली लेकिन जब मूड़कर देखा तो ठगौरे भाग गए थे। लोटे में देखा तो गहने नहीं थे, ऐसे में महिला को समझ में आ गया कि उसके साथ ठगी की गई है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार मधु पति जसंवत शर्मा 50 वर्ष पमनानी अस्पताल के सामने रहतीं है। बुधवार सुबह करीब 11 बजे के आसपास व लोटा में जल लेकर बालाजी मंदिर आई थी। उसने मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान एक ठगौरे महिला मधु शर्मा के पास आया और कहा कि गृह क्लेश दिखाई देते हैं। तुम्हारे पारिवारिक विवाद भी रहते हैं। मैं कुछ कर सकूंतो विवाद समाप्त हो सकते हैं। ठगौरे ने कपूर लाने को कहा, लेकिन कपूर नहीं मिलने पर उसने कहा कि इस लोटे से काम चला लेते हैं। इतने में एक और ठगौरा आया और महिला से कहा कि ये बहुत बड़े पहुंचे हुए ज्ञानी महात्मा हैं। मैं कुछ दिन पूर्व मंदिर आया था तो इन्होंने मेरी सारी समस्या हल कर दी। आपकी समस्या भी हल कर देंगे। इस तरह ठगौरों ने पीड़ित महिला को झांसे में ले लिया। वह ठगौरे के बहकावे में आ गई। ठगौरे ने कहा कि लोटे में आप अपने गहने उतारकर रख देवें और प्रार्थना करें। लोटा महिला के हाथ में ही था और इस दौरान ठगौरों ने अपनी कलाकारी का परिचय देते हुए लोटे से गहने उड़ा दिए। इसके बाद महिला को कहा कि 50 कदम लोटा लेकर आगे चलें और पीछे मूड़कर मत देखना। 50 कदम चलने के बाद महिला ने देखा तो आरोपी नहीं दिखे। बाद में जब लोटा चेक किया तो गहने गायब मिले। महिला ने एक सोने की चेन, कान के टॉप्स और एक सोने की अंगूठी पहनी थी, जो लोटे में रखवाई गई थी। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

सीसीटीवी खंगाले, नीमच की ओर भागे बदमाश- घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी केमरे खंगाले। इसमें आरोपी की चेहरे सामने आए हैं, लेकिन उनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस अपने तय बदमाशों को ढूंढने की कोशिश में है। कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि केमरे में चेहरे के आधार पर जांच करवाई जा रही है। सीसीटीवी फूटेज में आरोपी नीमच की ओर भागे हैं। तस्दीक की जा रही है।

शामगढ़ में पड़ी पुलिस की निगाहें, यहां से पकड़ा, अपहरण से महकमे में थी हलचल

विचार-मंथन

अमेरिका के साथ सबल सुरक्षा को लेकर हथियारों की डील

पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। खासकर रक्षा मामलों में भारत का रुख अमेरिका की तरफ अधिक केंद्रित होता गया है। आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था यानी एसओएसए पर समझौता उसी की एक कड़ी है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने भारत के लिए 443 करोड़ के रक्षा उपकरणों की आपूर्ति को मंजूरी दे दी है। यह समझौता भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा के दौरान हुआ। इसमें दोनों देशों ने तकनीकी हस्तांतरण और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य सहयोग बढ़ाने जैसे कई अन्य पहलुओं पर भी चर्चा की। इस समझौते से शांतिकाल, आपात स्थितियों और सशस्त्र संघर्षों में आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। इससे दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधी उत्पादों के अधिग्रहण में आसानी होगी। माना जा रहा है कि इससे रक्षा क्षेत्र में भारतीय और अमेरिकी कंपनियों के बीच निवेश और साझेदारी के नए रास्ते खुलेंगे। भारत अब उन घरेलू कंपनियों की सूची तैयार करेगा, जो अमेरिका को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए स्वेच्छा से आगे आएंगी। इससे आने वाले वर्षों में भारतीय कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण व्यावसायिक अवसर मिलने की उम्मीद है। भारतीय सेना लंबे समय से अत्याधुनिक उपकरणों की कमी की शिकायत करती रही है। इसके मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में लड़ाकू विमानों, पनडुब्बियों, मिसाइलरोधी उपकरणों आदि की खरीद करके सेना को मजबूत बनाने का प्रयास हुआ है। मगर बदलती जरूरतों के मुताबिक अभी सेना को और सशक्त बनाने की जरूरत महसूस की जाती है। हालांकि भारत को सबसे अधिक खतरा चीन से रहता है। पिछले कुछ वर्षों से चीन जिस तरह भारत को धमकाने और चालाकी से थल और जल क्षेत्र में अतिक्रमण करने का प्रयास करता देखा जाता है, इसके चलते दोनों देशों के बीच अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहती है, उसमें जमीन और आसमान से मार करने वाले अत्याधुनिक हथियारों के अलावा समुद्र में प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत पर सदा से बल दिया जाता रहा है। अमेरिका के साथ हुए ताजा समझौते में हिंद-प्रशांत में सुरक्षा बढ़ाने पर अधिक जोर है। इस सौदे में खरीदी जाने वाली पनडुब्बियां भारतीय सेना के लिए काफी मददगार साबित होंगी। अमेरिका के साथ रक्षा आपूर्ति व्यवस्था संबंधी समझौते का बड़ा लाभ यह होगा कि विषम परिस्थितियों में भी अमेरिका भारत को रक्षा सहयोग देने से इनकार नहीं कर सकेगा। हालांकि बदलती वैश्विक स्थितियों में किसी भी देश के साथ लंबे समय तक सकारात्मक संबंधों का भरोसा नहीं दिलाया जा सकता। रक्षा क्षेत्र में भारत का बल आत्मनिर्भर बनने पर है। इसके लिए अनेक सफल प्रयास भी हुए हैं। लड़ाकू विमानों से लेकर पनडुब्बियों तक के निर्माण में सफलता मिली है। हल्के हथियारों के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर रहने के बजाय स्वदेशी तकनीक से उन्हें विकसित करने में काफी हद तक कामयाबी हासिल हुई है। रक्षा उपकरणों के उत्पादन में अनेक निजी कंपनियों के लिए भी रास्ता खोल दिया गया है। दरअसल, अब रक्षा उपकरणों का निर्माण केवल आंतरिक जरूरतों का मामला नहीं रह गया है। यह अर्थव्यवस्था की मजबूती का भी बड़ा आधार बन चुका है। ऐसे में अमेरिका के साथ हुए समझौते से भारत के लिए यह अवसर बनेगा कि वह निजी कंपनियों को अमेरिका के लिए आपूर्ति किए जा सकने वाले रक्षा उपकरणों के उत्पादन को प्रोत्साहित करे। इससे दूसरे देशों को रक्षा सामग्री की आपूर्ति का बाजार भी खुलेगा।

भाजपा-कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा टिकटों का बंटवारा करना

पवन उप्रेती

हरियाणा के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के सामने टिकटों का बंटवारा करना सबसे मुश्किल काम है। विधानसभा चुनाव के ऐलान के बाद दोनों पार्टियां टिकटों के बंटवारे को लेकर लगातार मंथन कर रही हैं लेकिन दोनों के सामने मुश्किल यह है कि राज्य में दिग्गज नेता अपने बेटे-बेटियों या अन्य रिश्तेदारों के लिए टिकट मांग रहे हैं। ऐसे में टिकटों का बंटवारा करना निश्चित रूप से दोनों दलों के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। हरियाणा कांग्रेस में तो दावेदारों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि 90 सीटों वाले इस प्रदेश में 2500 से ज्यादा नेताओं ने टिकट के लिए आवेदन किया है। अगर बीजेपी और कांग्रेस में टिकट बंटवारे के बाद बगावत हुई तो इससे इन राजनीतिक दलों को विधानसभा चुनाव में नुकसान होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अपने बेटे-बेटियों के लिए टिकट की चाहत रखने वाले बीजेपी के नेताओं की बात करें तो गुरुग्राम से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह अपनी बेटी आरती राव को अटेली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाना चाहते हैं। इसके बाद फरीदाबाद के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के बेटे देवेंद्र चौधरी का नाम है। देवेंद्र चौधरी फरीदाबाद की तिगांव सीट से दावेदारी कर रहे हैं। इसके बाद नाम आता है भिवानी-महेंद्रगढ़ के भाजपा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह का। चौधरी धर्मबीर सिंह को भी अपने बेटे मोहित चौधरी के लिए सोहना या चरखी दादरी सीट से टिकट चाहिए। इसके अलावा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की बहू किरण चौधरी अपनी बेटी श्रुति चौधरी के लिए तोशाम विधानसभा सीट से टिकट मांग रही हैं। किरण चौधरी का बीजेपी के टिकट पर राज्यसभा में जाना लगभग तय है। बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव और हरियाणा बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ भी अपने बेटे आदित्य धनखड़ को झज्जर जिले की बादली विधानसभा सीट से टिकट दिलाना चाहते हैं। कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल हिसार विधानसभा सीट से अपनी मां पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल के लिए टिकट चाहते हैं। हरियाणा के लोकसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन का सामना करने वाली भाजपा के सामने बड़ी मुश्किल है कि वह इन नेताओं को कैसे मनाए। अगर वह इन नेताओं के बच्चों को टिकट देती है तो परिवारवाद की राजनीति को लेकर जो सवाल उठेंगे, उनका भी उसे जवाब देना है। बीजेपी के लिए बड़ी मुश्किल यह है कि वह 2014 में मनोहर लाल खट्टर के मुख्यमंत्री बनने के बाद से इस बात को सार्वजनिक मंचों से कहती आई है कि हरियाणा में उसने परिवारवाद की राजनीति को पूरी तरह खत्म कर दिया है। हरियाणा की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री देवीलाल, बंसीलाल और भजनलाल की अगली पीढ़ियां राजनीति कर रही हैं। लेकिन बीजेपी अगर इन नेताओं के बच्चों को टिकट देती है तो वह कैसे इस बात का दावा करेगी कि वह परिवारवाद की राजनीति नहीं करती। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह स्पष्ट रूप से ऐलान कर चुके हैं कि उनकी बेटी आरती राव इस बार अटेली सीट से चुनाव जरूर लड़ेंगी। वह पहले भी आरती राव के लिए दो बार रेवाड़ी सीट से टिकट मांग चुके हैं लेकिन तब परिवारवाद के आरोपों से बचने के लिए पार्टी ने आरती को टिकट नहीं दिया था। बीजेपी जानती है कि लोकसभा चुनाव में खराब नतीजों के बाद विधानसभा चुनाव में उसके सामने बड़ी चुनौती है। उसे हर एक सीट पर जीत के लिए कांग्रेस से जबरदस्त लड़ाई लड़नी है। ऐसे में पार्टी को दिग्गज नेताओं को मनाते हुए ही टिकटों का बंटवारा करना होगा क्योंकि इन नेताओं के बच्चों को टिकट देने की वजह से कई जगहों पर मौजूदा विधायकों के टिकट काटने होंगे तो कई जगहों पर मजबूत दावेदारों को नजरअंदाज करना होगा। जैसे अगर बीजेपी राव इंद्रजीत सिंह की बेटी को अटेली से टिकट देती है तो उसे पिछला चुनाव जीते सीताराम यादव का टिकट काटना होगा। हिसार से विधायक डॉक्टर कमल गुप्ता राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं, ऐसे में सावित्री जिंदल को टिकट दे पाना बेहद मुश्किल होगा। इसी तरह कृष्ण पाल गुर्जर के बेटे देवेंद्र चौधरी को टिकट देने की स्थिति में बीजेपी को पिछला चुनाव जीते राजेश नागर का टिकट काटना होगा। सोहना से चौधरी धर्मबीर सिंह के बेटे को टिकट देने के दबाव में वह कैसे राज्य सरकार में मंत्री संजय सिंह का टिकट काटेगी। बात अगर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की करें तो यहां भी बड़े नेता अपने बच्चों के लिए टिकट चाहते हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला अपने बेटे आदित्य सुरजेवाला को कैथल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाना चाहते हैं। हिसार से कांग्रेस के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश अपने बेटे विकास सहारण को कलायत विधानसभा सीट से टिकट दिलाना चाहते हैं। अंबाला से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा का चुनाव जीते वरुण चौधरी अपनी पत्नी पूजा चौधरी को मुलाना विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रहे हैं। वरुण चौधरी हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष फूलचंद मुलाना के बेटे हैं। इन नेताओं के अलावा राई सीट से कांग्रेस के पूर्व विधायक जय तीर्थ दहिया के बेटे अर्जुन दहिया, पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल के बेटे रणबीर महेंद्रा के बेटे अनिरुद्ध चौधरी, महम से कांग्रेस के पूर्व विधायक आनंद सिंह दांगी के बेटे बलराम सिंह दांगी और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार रहे राव दान सिंह के बेटे अक्षत राव भी विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं। निश्चित रूप से कांग्रेस अगर इन नेताओं की पसंद को अहमियत देती है तो बाकी दावेदार नाराज होकर चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। बीजेपी की लड़ाई जहां हरियाणा की सत्ता में बने रहने की है, वहीं कांग्रेस का जोर बीजेपी को सत्ता से हटाने पर है। लेकिन दोनों ही राजनीतिक दलों की कामयाबी इस पर निर्भर करेगी कि वे कितने बेहतर ढंग से टिकटों का बंटवारा करते हैं और टिकट न मिलने से होने वाली बगावत से कैसे निपटते हैं। अगर बगावत होती है तो निश्चित रूप से इससे इन दोनों दलों को राजनीतिक नुकसान होगा।

राजनीतिक परिवारों की महिलाएं और राजनीति

कल्याणी शंकर

कुछ नेता चुनावों के दौरान उभरते हैं, जैसे कि लोकसभा या विधानसभा चुनाव। ऐसी ही एक शख्सियत हैं 59 वर्षीय सुनीता, जो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी हैं। वे अपने जेल में बंद पति और पार्टी के बीच अहम कड़ी बन गई हैं। केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद भी वे पार्टी के लिए काम करना जारी रखेंगी या नहीं, यह अभी तय नहीं हो पाया है। राजनीतिक परिवारों की महिलाएं अक्सर अपने रिश्तेदारों की जगह राजनीति में उतरती हैं। इसका एक सफल उदाहरण सोनिया गांधी हैं। एक और उल्लेखनीय मामला राबड़ी देवी का है। उन्होंने 2000 से 2005 तक बिहार का नेतृत्व किया, जब उनके पति को कथित तौर पर घोटाले में शामिल होने के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। सुनीता के पास अनुभव और ठोस पेशेवर पृष्ठभूमि है। आयकर विभाग में उनका 22 साल का कार्यकाल, जो आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आई.टी.ए.टी.) में आयकर आयुक्त के रूप में समाप्त हुआ, उनकी योग्यता को दर्शाता है। दरअसल, सुनीता ने अपने पति की राजनीतिक यात्रा को कम प्रोफाइल के साथ आगे बढ़ाया है। केजरीवाल ने खुद को एक पारिवारिक व्यक्ति के तौर पर पेश किया और लोकसभा चुनावों के दौरान सुनीता के साथ प्रचार किया। खासकर केजरीवाल के जेल जाने के बाद आम आदमी पार्टी में सुनीता की बढ़ती भागीदारी उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। केजरीवाल के इस्तीफा देने पर मुख्यमंत्री के तौर पर उनकी संभावित भूमिका के बारे में अटकलें 'आप' की राजनीति में एक नया नजरिया ला सकती हैं। दूसरी बात, सुनीता का नेतृत्व इस समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि आम आदमी पार्टी संकट से जूझ रही है। कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में केजरीवाल की गिरफ्तारी ने पार्टी की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। केंद्र ने उन्हें लंबे समय तक मौका दिया है और संवैधानिक विफलता के आधार पर उनकी सरकार को बर्खास्त नहीं किया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली में विधानसभा चुनाव जनवरी 2025 में होने हैं, जिससे आगामी चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हो गए हैं। केजरीवाल के डिप्टी मनीष सिसोदिया का सुझाव है कि केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद पार्टी में सुनीता की भूमिका खत्म हो जाएगी। 'आप' के संस्थापक और सदस्य सिसोदिया केजरीवाल के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। 'आप' सांसद संजय सिंह का दावा है कि केजरीवाल के संदेशवाहक के रूप में सुनीता की भूमिका बढ़ रही है। फिर भी, केजरीवाल का कहना है कि सुनीता की राजनीति में कोई रुचि नहीं है। हालांकि सुनीता को कामचलाऊ विकल्प के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन पार्टी में उनके बढ़ते प्रभाव के कारण उन्हें किनारे करना चुनौतीपूर्ण है। अगर केजरीवाल को जमानत भी मिल जाती है, तो यह स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी में सुनीता की भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहेगी। चौथा, पार्टी को आगामी हरियाणा और दिल्ली चुनावों के मद्देनजर नैतिक बढ़ावे की जरूरत है; 'आप' को एक विश्वसनीय नेता और कुछ नैतिक बढ़ावे की जरूरत है। सुनीता इस कमी को पूरा करती हैं। पांचवां, 'आप' के सदस्यों ने फिलहाल सुनीता को ही कड़ी के रूप में स्वीकार कर लिया है। पार्टी में सक्रिय रूप से शामिल होने के बावजूद सुनीता 'आप' में कोई आधिकारिक पद नहीं रखती हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान प्रचार किया है और अभी हरियाणा में प्रचार शुरू किया है। उनका बचाव यह था कि कुछ राजनीतिक ताकतें उनके पति को बदनाम करने में शामिल थीं। विपक्षी गठबंधन ने सुनीता की बढ़ती भागीदारी और स्वीकार्यता को स्वीकार किया है। हाल ही में रामलीला मैदान में एक रैली में उन्हें सोनिया गांधी के साथ एक प्रमुख स्थान पर बैठाया गया था। सुनीता ने पिछले सप्ताह आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए अभियान की शुरुआत करते हुए 'केजरीवाल की गारंटी' (मुफ्त) लॉन्च की। इन गारंटियों में मुफ्त बिजली, चिकित्सा उपचार, शिक्षा, हर महिला को 1,000 रुपए मासिक सहायता और युवाओं के लिए रोजगार शामिल हैं। सुनीता के कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। केजरीवाल की राजनीतिक सफलता के बावजूद, उन्हें राजनीति में अनुभव नहीं है और वे आप की सदस्य भी नहीं बनी हैं।

जांच से पहले राज्य की अनुमति लेना जरूरी

यह एक वास्तविकता है, समय-समय पर राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से यह सिद्ध होता है कि महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं, चाहे वह बलात्कार, अपहरण, छेड़खानी अथवा दहेज के कारण मृत्यु हो, बढ़ती जा रही हैं। संसद द्वारा कई कानूनों को पारित किए जाने, राज्य सरकारों को बार-बार निर्देश दिए जाने और महिलाओं की स्थिति में सुधार का प्रयास करने के लिए महिलाओं और महिला संगठनों की सामान्य जागरूकता के बावजूद यह स्थिति है। यद्यपि हमारे यहां इस बारे में कानून हैं और हमारे इरादे नेक हैं, परंतु इसका क्रियान्वयन तंत्र राज्य सरकारों के पास है और हमें वर्तमान नियमों के अनुसार ही कार्य करना है। हमें उनकी बात को ध्यान में रखना है और हमें उनके द्वारा दी गई सूचना के अनुसार कार्य करना है। ...मेघालय से माननीय सदस्य द्वारा अभी-अभी व्यक्त रवैये के मुताबिक, यहां महिलाओं को पुरुषों की सलाह पर ही काम करना चाहिए और यदि यह बात निर्वाचित प्रतिनिधियों की सोच की द्योतक है और जो स्वयं ऐसे राज्य से हैं, जिसे महिलाओं के संबंध में अत्यंत विकासशील रीति-रिवाज वाला राज्य माना जाता है, तो मैं सोच सकती हूं कि अन्य राज्यों में क्या स्थिति होगी। ...हमने ऐसी विचारधारा के साथ जीना सीख लिया है और संभवतः इन बातों को समझना भी शुरू कर दिया है। ... हमें बार-बार माता-पिता व परिवारों से ऐसे अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं कि राज्यों में मामलों की पर्याप्त रूप से जांच नहीं होती है। मैं किसी विशेष मामले का उल्लेख नहीं कर रही हूं। वास्तव में, यह कहती रही हूं कि मेरा विभाग आमतौर पर महिलाओं के अधिकारों के आयोग के रूप में कार्य करता है, क्योंकि इसे ऐसी अनेक शिकायतें मिलती रहती हैं कि यद्यपि प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज होती है, पर कोई व्यक्ति हस्तक्षेप करता है अथवा मरते वक्त की गई घोषणा को गलत लिखा जाता है या जांच प्रक्रिया में ही हस्तक्षेप करने के लिए कुछ किया जाता है। इस स्तर पर हम यही कर सकते हैं कि मामलों को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दें और उसे जांच करने लिए कहें। इसके फलस्वरूप केंद्रीय जांच ब्यूरो राज्य सरकार के सम्मुख यह मामला रखता है। यदि जैसा आमतौर पर होता है, राज्य सरकार आपत्ति नहीं करती, तो ब्यूरो स्वतंत्र रूप से जांच करता है तथा कम से कम माता-पिता अथवा परिवारों को यह संतुष्टि होती है कि जांच स्वतंत्र हुई है। हालांकि, प्रत्येक मामले में यह नियम लागू करना बहुत मुश्किल है, क्योंकि विभिन्न श्रेणियों अर्थात बलात्कार, दहेज के मामले में हुई मृत्यु आदि के हजारों मामले आ रहे हैं। बहुत लंबे समय से मांग की जा रही है कि महिलाओं के अधिकारों के लिए आयोग होना चाहिए या एक ऐसी स्वतंत्र एजेंसी होनी चाहिए, जो ऐसी परिस्थितियों में जहां आम धारणा यह हो कि जांच नहीं हुई है, जांच करा सके, किंतु अब स्थिति यह है कि केंद्र के पास सीधे जांच का आदेश देने का अधिकार नहीं है। इसका निर्णय करना संसद और सरकार पर निर्भर करता है। ...हम निश्चित रूप से यह देखेंगे कि जब कभी ऐसे मामले उठें, तो इन मामलों की जांच ढंग से की जाए। ... हमारे एक सांसद ने ठीक ही कहा था कि सबसे पहले जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा उदाहरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए। कितने सांसद अपने सच्चे मन से यह कह सकते हैं कि उन्होंने कभी दहेज नहीं लिया और न कभी लेंगे? ...हमारा यह कहना है कि महिलाओं की ओर से भी सकारात्मक हस्तक्षेप किए जाने की आवश्यकता है। महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के गंभीर कार्यक्रम आवश्यक हैं। ...सवाल पूछना चाहिए कि कितने लोग उस परिवार का बहिष्कार करने के लिए तैयार हैं।

सीएम योगी के बटेंगे तो कटेंगे वाले बयान से ओवैसी नाराज

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5340

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5339

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 5340

संकेत: बाएं से दाएं

[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

वर्ग पहेली 5339 का हल

रोजगार मेले में 356 युवाओं को ऑफर लेटर मिले

जिला स्तरीय रोजगार मेला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नयाखेड़ा में आयोजित किया गया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय रोजगार मेला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नयाखेडा, मंदसौर में आयोजित किया गया। रोजगार मेले के माध्यम से 14 कंपनियां द्वारा 356 युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, जनपद अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, संयुक्त कलेक्टर एवं रोजगार अधिकारी श्री राहुल चौहान सहित जिलाधिकारी, कर्मचारी, बडी संख्या में रोजगार के लिए आए युवा, पत्रकार मौजूद थे।

जिला स्तरीय रोजगार मेले में कुल 14 कंपनीयों जिसमें एस.बी.आई. इंश्योरेस मंदसौर, सिध्दिविनायक बायो फर्टिलाइजर मंदसौर, स्वतंत्र माईक्रोफाइनेस बासवाडा राजस्थान, नवभारत फर्टिलाइजर्स इंदौर, भारतीय जीवन बीमा निगम मंदसौर, चेकमेट सर्विस वडोदरा गुजरात, एस.आई.एस. इंडिया नीमच, बी.एस.एस. माईक्रोफाइनेस, बैंगलोर, मारूति सुजुकी गुडगाँव दिल्ली, एल एन टी फाईनेस इंदौर, एस.के. एमपी मीडिया टेक्नोलोजी प्रा.लि. पिपलियामंडी, एग्रीटेक इंडिया ऑर्गेनिक गुजरात, कृषिधन बायोकेयर प्राइवेट लिमिटेड इंदौर, अटेला आर्गेनिक इण्डस्ट्रीस दलौदा, मंदसौर ने विभिन्न-विभिन्न पदों के लिये भर्ती की गई। मेले में कुल 514 पंजीयन किये गये जिसमें से कुल 356 को ऑफर लेटर वितरित किये गये। रोजगार मेले के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग द्वारा कहा गया कि रोजगार मेले का प्रयास जीवन को परिवर्तित करता हैं। दिल्ली, इंदौर, गुडगांव जैसे कई स्थानों से रोजगार के लिए कंपनियां इस रोजगार मेले में आई हैं। इसका सभी युवा लाभ उठाएं। इसी तरह रोजगार मेले का आयोजन प्रतिमाह होते रहेंगे। जिससे अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिले। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पाटीदार द्वारा कहा गया कि, युवा लक्ष्य के प्रति अडिग रहने वाला होता है। युवा कौशल की ताकत भारत देश के पास में है। इसके लिए पूरे भारत में 30 स्किल सेंटर शुरू होने जा रहे हैं। पीएम विश्वकर्मा से छोटे कारीगरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंदसौर विधायक श्री जैन द्वारा कहा गया कि रोजगार मेले के माध्यम से 14 कंपनियों के द्वारा अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। प्राइवेट सेक्टर में भी अधिक से अधिक युवाओं की भागीदार बढती जा रही है। प्राइवेट सेक्टर में भागीदारी प्रदान करने के लिए रोजगार मेला एक उचित माध्यम है। एक कैंपस में मनपसंद जॉब मिलने का सुअवसर मिल रहा है। इसका लाभ अधिक से अधिक युवाओं को लेना चाहिए तथा अपने दोस्तों को बताना चाहिए। पूर्व विधायक श्री सिसोदिया द्वारा कहा गया कि पढना और बढना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। विकास के लिए सरकार करोडो खर्च कर रही है। लक्ष्य पाने के लिए लगातार प्रयास करने चाहिए। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार मिलेगा, लेकिन युवाओं को स्वयं रोजगार देने वाला बनना चाहिए। सरकार की बहुत जन कल्याणकारी योजनाएं हैं जिसके माध्यम से युवा खुद का कारोबार स्थापित कर सकते हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर नौकरी लेने के स्थान पर नौकरी देने वाला बनना चाहिए। जनपद अध्यक्ष श्री शर्मा द्वारा कहा गया कि रोजगार मेले में 14 कंपनियों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। कृषि लाभ का धंधा बने, इसमें युवा आगे आकर काम कर रहे हैं। मंदसौर जिले में कई युवा जैविक खेती भी कर रहे हैं। इस तरह के कार्य स्वयं के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती चावला द्वारा कहा गया कि रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को रोजगार तो मिलेगा, लेकिन मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना इत्यादि योजनाएं हैं, जिसके माध्यम से युवा स्वयं आत्मनिर्भर भी बन सकता है।

किसान भाईयों की सोयाबीन फसल 6 हजार रू.प्रति क्विंटल खरीदी जाए

किसान हितैषी विधायक जैन ने केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। किसान हितैषी जागरूक विधायक श्री विपिन जैन ने केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर अन्नदाता किसान भाईयों की सोयाबीन फसल 6 हजार रू. प्रति क्विंटल खरीदने की मांग की।

विधायक श्री जैन ने कहा कि मालवा निमाड मे सोयाबीन पीला सोना के नाम से जाना जाता है परन्तु यह सिर्फ एक कहावत मात्र है खरीफ सीजन मे किसानों के द्वारा काफी मात्रा में सोयाबीन की मुख्य फसल बोई जाती है परंतु पिछले कई वर्षों से सरकार की गलत नीतियों के कारण सोयाबीन उत्पादक किसानो को काफी निराश होना पड रहा है फिलहाल मंडीयो मे सोयाबीन समर्थन मुल्य से भी नीचे बिक रहा है फसल का वाजीब दाम नही मिलने से किसानो मे काफी आक्रोश व्याप्त है वही किसानो द्वारा जो खेती किसानी मे वस्तुए जैसे खाद, दवाई, जुताई, बुवाई, मजदुरी, पेट्रोल, डीजल आदी का उपयोग किया जाता है उनके दामो में काफी बडोतरी हुई है परंतु वर्तमान मे मंडीयो मे पीला सोना कहे जाने वाला सोयाबीन 3000-4000 प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रहा है सरकार ने आगामी खरीफ मार्केटिंग सीजन के लिए सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 4892 रूपये प्रति क्विंटल तय किया है सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) के अनुसार 2013-2014 मे सोयाबीन का औसत भाव 3823 रूपये प्रति क्विंटल था जो वर्तमान किमतो के करीब आ गया है यानि सोयाबीन के दाम दस साल पहले की कीमतो पर पहुँच गये है और लागत बढ गई है। पिछली जुलाई मे सोयाबीन 5000 रूपये प्रति क्विंटल थी जिसमे भी 800 से 1500 रूपये की गिरावट दर्ज हुई है। इससे किसानो की फसल आने से एक माह पहले ही चिंता बढ गई है। वही मौसमी मार, जलवायु परीवर्तन, कीट प्रकोप, अतिअल्प वृष्टि के कारणो से भी किसानो के माथे पर चिंता की लकीरे हर वक्त दिखाई देती है। श्री जैन ने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक और और वित्तीय स्थिति की निर्भरता के लिए किसानों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है परंतु जब क्षेत्र का किसान अपनी फसलों के दाम के लिए चिंतित होता है तो बडा दुख और दर्द होता है मेरी शासन से मांग है कि अन्नदाता किसान भाइयों की सोयाबीन फसल 6 रू. प्रति कुंटल के भाव से खरीददने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करे ताकि प्रदेश के किसान भाईयो की आमदनी दोगुनी होने के साथ-साथ वह आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने दी।

धार्मिक चेतना जगाने में अनुरागी बापू की अहम भूमिका थी-सांसद

गीता भवन के संस्थापक सेनाचार्य श्री अनुरागी बापू का निर्वाण दिवस मनाया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अनुरागी बापू भक्त मण्डल एवं सैनाचार्य भक्तिपीठ द्वारा गीता भवन के संस्थापक ब्रह्मलीन सैनाचार्य श्री अनुरागी बापू का निर्वाण दिवस सत्यनारायण की बगीची में मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपालसिंह सिसौदिया उपस्थित रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेता धीरज पाटीदार, राजेश गुर्जर, सांसद प्रतिनिधि आशीष खिमेसरा, राजेश बोहरा, भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र परिहार, समाज के वरिष्ठ नंदकिशोर राठौर, फकीरचंद परिहार व सत्यनारायण सकवाया, सेन समाज अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया, सेन युवा संगठन अध्यक्ष विनोद परिहार, मॉ नारायणी माता महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती कलादेवी गंगवाल भी मंचासीन रहे।

इस अवसर पर सांसद श्री गुप्ता ने कहा कि श्री बापू सरल, सहज एवं अहंकार रहित होकर धर्म के प्रति समर्पित गुरू थे। मंदसौर नगर में धार्मिक चेतना जगाने में उनकी अहम् भूमिका थी। आपने दशोरा ब्राह्मण समाज को मंदसौर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने अनुरागी बापू द्वारा समाज सेवा व उत्थान के कार्यों को याद किया गया। अनुरागी बापू सेन सर्व समाज के पूजनीय है। पूर्व विधायक श्री सिसौदिया ने कहा कि अनुरागी बापू ने धर्मधाम गीता भवन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री अनुरागी बापू सेन समाज ही नहीं अपितु सम्पूर्ण समाज को धर्म के प्रति जागृति करने का कार्य किया। आपने सेन समाज ही नहीं अपितु सर्वहित के कार्य किये। स्वागत उद्बोधन देते हुए समाज कोषाध्यक्ष नागेश्वर चौहान ने कहा कि मन्दसौर नगर के किसी भी चौराहे या रोड का नाम सेनाचार्य अनुरागी बापू के नाम से किया जाना चाहिये जिससे आने वाली पीढी बापूजी के बारे में जान सके। बापूजी ने अपना सम्पूर्ण जीवन गीता भवन के लिये समर्पित किया। प्रारंभ में अतिथियों द्वारा सेनाचार्य श्री अनुरागी बापू के श्री विग्रह पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर डॉ. घीसालाल गंगवाल, कमल बी मारोठिया, जगदीशचन्द्र मारोठिया सांईकृपा, प्रकाश मारोठिया, मगनीराम गंगवाल, अशोक चौहान, कमलेश मारोठिया, दिनेश गेहलोद, कमल मारोठिया, राकेश मारोठिया, महेश परिहार, नागेश्वर चौहान, अंकुश मारोठिया, आदित्यसेन मारोठिया, सत्यनारायण मारोठिया, दीपक मारोठिया, संजय सकवाया, अजय मारोठिया, पियुष सकवाया, शैलेन्द्र मारोठिया, शुभम मारोठिया, राहुल मारोठिया, सतीश परिहार, अभिनव सेन राठौर सहित बडी संख्या में समाजजन, महिलाएं, बच्चे एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मगनीराम गंगवाल ने किया एवं आभार अशोक चौहान ने माना। उक्त जानकारी पीयूष सकवाया ने दी।

विश्व हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस मनाया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद के भालोट प्रखण्ड द्वारा विश्व हिंदू परिषद स्थापना का स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मंचासीन भागवत प्रवक्ता परम पूज्य पंडित रितेश जी शास्त्री व संगठन के पदाधिकारियों द्वारा राम दरबार के चित्र पर पुष्पहार पहनाकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय अधिकारी श्री मुकेश चौधरी एडवोकेट, का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। श्री चौधरी संगठन के कई दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं वर्ष 2004 में प्रखण्ड संयोजक, जिला सह मंत्री, मंत्री, विभाग मंत्री, प्रांत सह मंत्री रहे। वर्तमान में सामाजिक समरसता विभाग के प्रांत प्रमुख और सीएए 2019 सेवा अभियान के प्रांत प्रमुख का दायित्व का निर्वाह कर रहे है। कार्यक्रम में विभाग मठ मंदिर प्रमुख सत्यनारायण राठौर, जिला सत्संग प्रमुख कन्हैयालाल धनगर, जिला संयोजक अनिल धनगर, जिला सुरक्षा प्रमुख शंकर शर्मा, प्रखंड अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा, प्रखंड संयोजक दशरथ गुर्जर भी मंच पर उपस्थित रहे। ग्राम भालोट के वरिष्ठ स्वयंम सेवक घनश्याम कुमावत (फोफो जी) का अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रखंड पदाधिकारी प्रखंड मंत्री राकेश विश्वकर्मा, प्रखंड सहसंयोजक पंकज व्यास, प्रखंड सत्संग प्रमुख पारस मालवीय, प्रखंड विद्यार्थी प्रमुख योगेंद्र राव, प्रखंड मठ मंदिर प्रमुख भगवती लाल साहू, प्रखंड गौरक्षक प्रमुख श्याम साहू, प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख हरीश धनगर, प्रखंड सह गौ रक्षा प्रमुख दशरथ कुमावत के साथ ही खंड एवं ग्राम समिति के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व अतिथि परिचय भालोट प्रखंड मंत्री राकेश विश्वकर्मा द्वारा कराया गया। आभार प्रखंड संयोजक दशरथ गुर्जर द्वारा माना गया।

राज्य स्तरीय हाई पॉवर स्टेयरिंग कमेटी का गठन

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छणाउच्च (National Urban Digital Mission) के अंतर्गत सम्मिलित घटकों के संबध में निर्णय लेने, वित्तीय व्यवस्था तथा क्रियान्वयन के सुझाव देने के लिए State Level High Powered Steering Committee का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है। समिति में प्रमुख सचिव, नगरीय आवास एवं विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, वित्त, आयुक्त सह संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, संचालक / अधिकृत प्रतिनिधि, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश स्टेट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कार्पोरेशन, सदस्य होंगे। आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास, संयोजक होंगे। समिति द्वारा प्रत्येक 6 माह में बैठक आयोजित की जायेगी। समिति द्वारा सभी योजनाओं पर मार्गदर्शन एवं निर्णय देना, राशि उपलब्ध कराना एवं राशि के उपयोग की प्रगति की समीक्षा की जायेगी।

विश्व हिंदू परिषद के षष्ठी पूर्ति वर्ष पर रामपुरा नाके पर हुई गोष्ठी तत्पश्चात नगर में निकला चल समारोह

मनासा, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस पर आज मनासा नगर में रामपुरा नाके पर सभा हुई जिसमे अतिथि द्वारा रामदरबार और प्रभु कृष्ण के माल्यार्पण की विधिवत शुरुआत की,, गोष्टी में मंचासिन सोहन विश्वकर्मा क्षेत्र गौरक्षा प्रमुख, प्रेम कुशवाह बजरंग दल प्रांत विद्यार्थी प्रमुख, कैलाश मालवीय जिला मंत्री, दुर्गेश धनगर जिला संयोजक बजरंग दल, अर्जुन यजुर्वेदी प्रखंड अध्यक्ष, सर्वेश झंवर प्रखंड संयोजक रहे।

मुख्य वक्ता श्री विश्वकर्मा ने बताया कि विश्व हिन्दू परिषद् के 60 वें स्थापना दिवस पर आयोजित षष्ठी पूर्ति वर्ष के कार्यक्रम में हम सभी को स्मरण है कि श्री कृष्ण जन्माष्मी 1964 को स्वामी चिन्मयानंद के आश्रम पर्वइ मुम्बई में संघ के द्वितिय सरसंघचालक श्री गुरूजी, पुज्य स्वामी चिन्मयानंदजी, मास्टर तारासिंह, राष्ट्र संत तुकडो जी महाराज, जैन संत पूज्य सुशील जी आदि संतो के मार्गदर्शन में विहिप की स्थापना हुई जिसमें सामाजिक समरसता, हिन्दू हम सब एक, हिन्दू समाज का संघठन, हिन्दू समाज के मान बिन्दुओं की रक्षा व राम मंदिर, अमरनाथ यात्रा आदि भावों को लेकर विहिप की यात्रा प्रारंभ हुई जिसके माध्यम से विश्व भर के हिन्दुओं में अलख जगाने का कार्य किया। हिंदव: सौदरा सर्वे न हिन्दु पतितो भवेत मम: दिक्षा हिन्दु रक्षा मम: मंत्र समानता भाव को सबने स्वीकार किया, इसके साथ ही 'बच्चा बच्चा राम का, जन्म भूमि के काम का' कहते हुए राम मंदिर के लिये विश्वव्यापी आंदोलन व अमरनाथ की यात्रा को लेकर संघर्ष किया ऐसे कई आंदोलन हुए जिसमें हम सभी ने सहभागिता की साथ ही विश्व हिन्दु परिषद् वर्तमान में लव जिहाद, लेण्ड जिहाद, गोमाता की रक्षा, सामाजिक समरस्ता, सेवा कार्य आदि आयामो को लेकर निरंतर गतिशील है। अत: विहिप की इस यात्रा के 60 वर्ष पूर्ण होकर 60 वां स्थापना दिवस के कार्यक्रम और चल समारोह में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सभी अनुसांधिक संगठन, सभी समाज प्रमुख के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। चल समारोह रामपुरा नाके से भगवान के रथ के साथ, राधा कृष्ण स्वांगधारी, अखाडे, ढोल, डीजे, बैंड आदि के साथ शुरू हुआ जिसका जगह जगह नगर में भव्य स्वागत हुआ, साथ ही नगर में रहने वाले बंधुओ ने बड चढकर हिस्सा लिया। संचालन प्रखंड मंत्री मंगल सिंह देवडा ने किया आभार जिला गौरक्षा प्रमुख राहुल कुशवाह ने माना। प्रखंड से जगपाल फरक्या, लोकेश कुशवाह, मोहित बिडला, चयन दरक, दिनेश सेन, लक्की शर्मा, अनिल कुशवाह, अविनाश आर्य, कारूलाल धनगर, तेजकरन मोदी उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाने को लेकर राष्ट्रीय गौरक्षक विभाग भारत संगठन के द्वारा कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। केलूखेडी में अतिक्रमण हटाने को लेकर राष्ट्रीय गौरक्षक विभाग संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ भंवरलाल जी चौधरी व राष्ट्रीय संयोजक गजराजसिंह जी देवडा, प्रदेश अध्यक्ष शुभम जी कुमावत, गादीपति गुरु जी 108 स्वामी सुरेशानंद जी के निर्देश पर एवं संभाग अध्यक्ष बापूलाल जी डांगी, संभाग प्रभारी मनोज जी परिहार, जिला अध्यक्ष ईश्वर सिंह जी सिसोदिया जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार जी धनगर के बेनर तले सीतामऊतहसील के गांव केलूखेडी में शासकीय कोचर भूमि पर कुछ दबंगों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर रखा है जिसको लेकर आज जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार को अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर राष्ट्रीय गौरक्षक विभाग भारत संगठन के पदाधिकारी व ग्रामीण ने हटाने को लेकर ज्ञापन दिया गया है राष्ट्रीय गौ रक्षक विभाग भारत के पदाधिकारी ने कहा है कि अगर प्रशासन में 7 दिन के अंदर अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो राष्ट्रीय गौरक्षक विभाग भारत के द्वारा जिला कलेक्टर के सामने चक्का जाम किया जाएगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की रहेगी। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष राहुल दांगी, सेक्टर अध्यक्ष रोहित सूर्यवंशी, दिनेश भाभी, अर्जुन चौहान, बलराम भाभी, कारूदास बैरागी, महेश चौहान, हरिराम बुनकर, राधेश्याम भाभी, भगवान सिंह दांगी, मुकेश दास, आयुष शर्मा, ओम भाभी, आदि उपस्थित थे उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार धनगर जोगीखेडा ने दी

2 क्विंटल उंटी लहसुन चोरी

पिपलियामंडी, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। गोदाम में रखी 2 क्विंटल उंटी लहसुन अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। कयामपुर निवासी किसान अर्पित गवरिया ने नाहरगढ ाने पर शिकायत दर्ज कराई कि दलौदा मंडी से जिसे मैंने गोदाम के बरामदे में प्लास्टिक पाल पर सुखने के लिए फेदा दी। बीती रात्रि अज्ञात बदमाश 2 क्विंटल लहसुन पीछे के रास्ते से चोरी कर ले गए। तलाश की तो लहसुन के लूखेडी गांव तक रास्ते में बिखरी हुई दिखी। पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया।

आज निकलेगी भव्य निशान यात्रा

पिपलियामंडी, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। 29 अगस्त को मल्हारगढ में श्रीश्री 1008 कल्लाजी राठौड के मन्दिर से खाटूश्याम की हवेली तक भव्य निशान यात्रा निकलेगी व कल्लाजी राठौड का पहला नगर भ्रमण होगा। मल्हारगढ काली कल्याण धाम के गादीपति संजय राठौड ने कि गणेश मार्ग, कल्लाजी राठौड मंदिर से दोपहर 2 बजे से नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए भव्य निशान यात्रा खाटूश्याम मंदिर जायेगी। जिसमें नारायणगढ के अखाडे के करतबबाज, शाही उँटों से प्रदर्शन, नाचने वाली घोडीया, शाही ढोल आदि आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। काली कल्याण धाम के सचिव पंकज शर्मा ने अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की।

दशपुर रंगमंच ने मनाई प्रसिद्ध पार्श्व गायक मुकेश की पुण्यतिथि

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। दशपुर रंगमंच द्वारा प्रसिद्ध पार्श्वगायक मुकेशजी की पुण्यतिथि ललित बटवाल की अध्यक्षता में मनाई।

कार्यक्रम की शुरुआत में सतीश सोनी ने ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना गीत से की। आबिद भाई ने गीत चल अकेला चल अकेला सुनाया। लोकेन्द्र पाण्डे ने गीत तुम अगर मुझको न चाहो तो कोई बात नहीं की प्रस्तुति किया। राजा भैया सोनी ने गीत ओहरे ताल मिले नदी के जल में की शानदार प्रस्तुति दी। मीना जैन ने गीत एक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है व सिमरन बेलानी ने गीत किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार सुनाया। डॉ. महेश शर्मा ने मुझे रात दिन दिन ये ख्याल है गीत प्रस्तुत किया। श्याम गुप्ता ने जो तुमको हो पसंद वही बात कहेंगे सुनाया। वहीं योगेश गोविन्दानी ने मैं पल दो पल का शायर हूँ व हिमांशु वर्मा ने गीत क्या खूब लगती हो सुनाया। मुम्बई से आये गायक दिव्यांश वर्मा ने गीत तुम बिन जीवन कैसे बीता पूछो मेरे दिल से सुनाया। संस्था संयोजक अभय मेहता ने कहा कि दर्द का दूसरा नाम मुकेश एक मखमली आवाज जो कभी दिल के पार गुजर गई तो कभी दर्द बनकर दिल में ही उतर गई। संचालन सतीश सोनी ने किया व आभार आबिद भाई ने माना।

दिनांक 28 अगस्त 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
वृश्चिक राशि के लोग...

❊ वृश्चिक राशि के जातक अति भावुक प्रवृति के होते है, अपनी उग्रता एवं क्रोध में स्वयं का नुकसान कर लेते है, दुसरो पर अति विश्वास के कारण धोखा ही मिलता है, ये लोग अपने मन से किसी के बारे में वास्तविकता से हटकर अच्छा या बुरा सोच लेते हैं अत: सावधान रहे क्रोध पर नियंत्रण करे। कोई भी फैसला सोच समझकर लेवे।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

पं. महेश मिश्र को विनम्र श्रद्धांजलि....

महेश बाबू जनसंघर्ष के योद्धा थे...

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। महेश मिश्र केवल बैंक कर्मी नहीं थे वे जनसंघर्ष के योद्धा थे। मंदसौर के विकास के लिये उन्होंने अपनी टीम के साथ विनम्र योगदान दिया। बैंक कर्मी के नेता के रूप में उन्होंने बैंक कर्मचारी संगठन का राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व किया तो निजी कारखानों में श्रमिकों के साथ होते अन्याय के विरूद्ध आंदोलन करने में कभी पीछे नहीं रहे। गोपालकृष्ण गौशाला में दशकों तक अध्यक्ष रहते सेवा की।

पिछले एक माह में समाजसेवी, संगठक श्री रामकृष्ण नवाल और उनके निधन के बाद श्री महेश बाबू भी विदा हो गए। श्री नवाल ने शिक्षकों एवं अन्य वर्गों के लिये उनकी समस्याओं के निराकरण में योगदान दिया। वे भी विचाराधारा एवं सिद्धांतों के प्रति दृढ प्रतिज्ञ थे पर अन्याय होने पर हमेशा मुखर रहे।

महेश बाबू गांधीवादी नेता, पूर्व मंत्री श्री श्यामसुंदर पाटीदार, लोकसभा सदस्य रहे डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे के प्रति सद्भावी रहे। पं. मिश्र का कहना था कि ईमानदार राजनेताओं का समर्थन एवं सहयोग करना चाहिए। पं. मिश्र श्रम संगठनों को सहयोग करते थे। मजदूरों के शोषण के विरूद्ध आंदोलन करने में कभी पीछे नहीं रहे। एक वाकया याद आ रहा है। लगभग चार दशक पूर्व स्थानीय स्टार्च फैक्ट्री के श्रमिकों ने अपनी समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। उस दौरान मार्क्सवादी कम्यूनिष्ट पार्टी की सहयोगी श्रमिक इकाई सीटू ने नेता शिवनारायण कश्यप, महेश मिश्र, गोपालकृष्ण मोड के नेतृत्व में आंदोलन शुरू किया। यह आंदोलन 100 दिन चला। तत्कालीन सांसद बालकवि बैरागी, पूर्व मंत्री श्यामसुंदर पाटीदार, राधेश्याम पंडित ने भी इस आंदोलन को सहयोग दिया। मंदसौर में एक वर्ग ऐसा भी था जो श्रमिकों के इस आंदोलन को कुचलना चाहता था किंतु उसे सफलता नहीं मिली। अंत में मजदूरों की जीत हुई। महेश बाबू की साहित्यिक रूचि के कारण गोष्ठियों, सम्मेलन भी हुए। मंदसौर में विकास को मिशन को आगे बढाने में उनका सराहनीय योगदान था। चाहे वह ब्राडगेज रेल की मांग हो या शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना। संयोग से ये दोनों सपने पं. मिश्र के सामने पूरे हो गए। चर्चाओं में वे इस सफलता पर प्रसन्न होते थे। पिछले तीन दशकों में बढते पूंजीवाद के कारण श्रमिक आंदोलन अंतिम सांसे ले रहे हैं तो दूसरी ओर संगठित नौकरी पेशा बैंक, जीवन, बीमा कर्मी अभी भी एकजूट होकर मजदूर आंदोलन को जीवंत बनाए हुए है। चुने हुए जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण श्रमिक आंदोलन कमजोर हुए हैं। नौकरशाही भी चाहती है कि मजदूर अपनी औकात में रहे ताकि पूंजीवाद के हित संरक्षण में उन्हें कोई परेशानी न हो। ऐसे दौर में महेश मिश्र जैसे नेताओं को जरूरत हैं। उनके मिशन को अब कौन बढाएगा। महेश बाबू को जिला इंटक भी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

-विक्रम विद्यार्थी, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	33	2630	2703
उडद	000	0000	0000
सोयाबीन	4800	3990	4598
गैहु	4000	2550	3351
चना	123	6000	7460
मसुर	225	4600	5900
धनिया	170	5150	6800
लहसुन	12400	10000	26500
मैथी	670	4750	5930
अलसी	880	5500	5980
सरसो	405	5250	5573
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	61	9800	13000
प्याज	2200	1401	3602
कलोंजी	10	8000	18900
डॉलर	32	10001	12111
तिल्ली	60	9800	12501
मटरसुखी	1	6650	6650
असालीया	20	8701	9850

बुधवार को साफ रहा आसमान, बारिश थमी

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले में मंगलवार से बारिश का दौर थम गया है। बुधवार सुबह से धूप खिली हुई रही। इसके बाद बादल छाए रहे। अगले दो दिन धूप छांव वाला मौसम बना रहेगा। ओवरआल जिले की औसत बारिश का आंकड़ा 27.56 इंच तक पहुंच गया है।मौसम जानकारों के अनुसार 30-31 अगस्त से बारिश के एक स्ट्रांग सिस्टम बन रहा है। इसका ज्यादा असर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र के 28 जिलो में रहेगा। इसके असर से पश्चिमी क्षेत्र में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के वैज्ञानिक प्रकाश दावले ने बताया, 'लो प्रेशर एरिया सिस्टम आगे बढ़ गया है।मानसून ट्रफ सागर से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर पहुंच रहा है। इससे दो दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। 29 अगस्त तक प्रदेश में कहीं भी तेज बारिश की संभावना नहीं है। आज अधिकांश क्षेत्रो में धूप खिली रह सकती है। जिले में आज सुबह तक औसत 700.2 मिमी यानी औसत 27.56 इंच बारिश दर्ज की गई है। गांधी सागर बांध का जलस्तर 1304.11 फीट पहुंच गया है।

आपदा प्रबंधन विषय पर नीमच में दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

नीमच, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल द्वारा आयुष भवन नीमच में 28 व 29 अगस्त दो दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ बुधवार को हुआ। प्रशिक्षण में आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल के सयुक्त संचालक डॉ.जॉर्ज व्ही.जोसेफ.ने आपदा प्रबंधन के उद्देश्य, सर्पदंश एवं आकाशीय बिजली से बचाव ,आपदा के बाद के प्रभाव एंव उपाय आपदा प्रबंधन में स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया।इस प्रशिक्षण में डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धार्वे, जिला पंचायत अतिरिक्त सीईओ श्री अरविन्द डामोर, होमगार्ड, पुलिस विभाग, जनअभियान परिषद समिति सदस्यि, स्वैच्छिक संस्थाएं एवं बडी संख्या में छात्र- छात्राएं उपस्थित थी।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

पिपलियामंडी, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। घर के बाहर बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया।पुराना डाक बंगला के पास निवासरत मंडी व्यापारी दीपक बंसल ने पिपलिया चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरी बाइक क्रमांक एमपी 14 एमएस 4198 घर के बाहर खड़ी थी, घर के बाहर आया तो बाइक नहीं थी, काफी तलाश करने के बाद भी बाइक नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ बाइक चोरी का केस दर्ज किया।

बारिश : रतलाम मंडल से गुजरने वाली 9 ट्रेन निरस्त

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। गुजरात के वडोदरा में भारी बारिश का असर रेल मार्ग पर हुआ है। बड़ौदा रेल मंडल के आईटीए ब्रिज संख्या 561 पर जल जमाव के कारण रतलाम मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेन प्रभावित हुई है। 9 ट्रेनों को निरस्त कर दिया है। एक को मार्ग बदल कर चलाई जा रही है। निरस्त होने वाली ट्रेनो में 28 अगस्त को मुंबई से चलने वाली गाड़ी संख्या 12925 मुंबई सेंट्रल अमृतसर एक्सप्रेस, बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली गाड़ी संख्या 12917 बांद्रा टर्मिनस हरिद्वार एक्सप्रेस, मुंबई सेंट्रल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12951 मुबंई सेंट्रल नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 09324 इंदौर पुणे स्पेशल निरस्त रहेगी। 28 अगस्त को ओखा से चलने वाली गाड़ी संख्या 19575 ओखा नाथद्वारा एक्सप्रेस व 29 अगस्त को नाथद्वारा से चलने वाली गाड़ी संख्या 9576 नाथद्वारा ओखा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। 29 अगस्त को पुणे से चलने वाली गाड़ी संख्या 09323 पुणे इंदौर स्पेशल, नई दिल्ली से चलने वाली गाड़ी संख्या 12952 नई दिल्ली मुबंई सेंट्रल राजधानी एक्सप्रेस, 30 अगस्त को अमृतसर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12926 अमृतसर मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

इस ट्रेन का बदला मार्ग-28 अगस्त को निजामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12432 निजामुद्दीन त्रिवेंद्रम एक्सप्रेस वाया नागदा-उज्जैन- संत हिरदाराम नगर- खंडवा- मनमाड –इगतपुरी–कल्याण चलेगी।

संगठन पर्व सदस्यता अभियान : भाजपा मंडलो की कार्यशाला संपन्न

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह एंव सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी एंव विधायक भगवानदास सबनानी एंव भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के निर्देशानुसार जिले के 18 ही मंडलो की कार्यशाला सम्पन्न हुई। मंडल कार्यशाला का शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय एंव डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यशाला में वक्ता के रूप में सांसद सुधीर गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, विधायकगण हरदीपसिंह डंग, चन्दरसिंह सिसौदिया, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया,

कैलाश चावला, देवीलाल धाकड़, राधेश्याम पाटीदार, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया यादव, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, मुकेश काला, पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, भाजवा वरिष्ठ नेता मानसिंह माछौपुरीया, भोपालसिंह सिसौदिया, भाजपा नेता अजयसिंह चौहान, पिछडा मोर्चा जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह चौहान, आदि ने उपस्थित होकर सदस्यता अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को दी।

धुधंडका मंडल की कार्यशाला को संबोधित करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा की प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूर्ण करते हुए अपने जिले में भाजपा की ताकत को प्रत्येक बूथ पर मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि हम गर्व है कि भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बडी पार्टी बन गई है। पूरे भारत में 18 करोड़ से अधिक पार्टी के सदस्य है हमें और अधिक नए सदस्यों को प्रत्येक अपने विचारधारा परिवार वाले लोगों के बीच पहुंचकर नए सदस्यों को जोड़ना है,जिसमें युवाओं महिलाओं किसानों सहित समाज के प्रबुधजनो को पार्टी से जोड़ने का कार्य करना है। हमे अधिक से अधिक लोगो को जोड़ना है। जो विरोधी है उसका भी बाहे फैलाकर स्वागत करना है। हमे अपने मतदाताओं और विरोधियों दोनो को पार्टी का सदस्य बनाना है। जो एक बार भाजपा का सदस्य बन जायेगा वह पार्टी के लिए लगातार काम करेगा क्योंकि भाजपा का सदस्य किसी भी काम को मिशन के रूप में काम करता है। जब हम किसी को भाजपा का सदस्य बनाने जाएंगे तो वह अवश्य ही पार्टी का सदस्य बनेगा क्योंकि केंद्र व राज्य सरकार की योजना चल रही है जिनका लाभ सभी को मिल रहा है। उन्होने कहा कि जिस तरह चुनाव के समय हम वोट मागने घर-घर जाते है उसी तरह पार्टी के सदस्यता अभियान मे भी घर-घर जाकर लोगो को भाजपा से जोडे, साथ ही सदस्यता दिलाने हेतु व्यक्ति अपने स्वंय के फोन से 8800002024 पर मिस्डकॉल कर भाजपा का सदस्य बन सकता है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बंशीलाल पाटीदार, हरिसिंह चावडा, शिवनारायण पाटीदार, नागूलाल पटेल, मंडल महामंत्री देवीलाल सिसोदिया सहित भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारी, प्रदेश व जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य, समस्त मोर्चा व प्रकोष्ठ जिला व मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र पंच परमेश्वर, बूथ अध्यक्ष, महामंत्री सहित कार्यकर्तागण उपस्थित थे। सुवासरा मंडल की कार्यशाला में सदस्यता अभियान जिला सह प्रभारी एंव भाजपा जिला मंत्री दिलीपसिंह तरनोद, सदस्यता अभियान मंडल प्रभारी जितेंद्रसिंह कोटड़ा माता, सह प्रभारी बलवंतसिंह पंवार, भाजपा मंडल अध्यक्ष नेपालसिंह चौहान, रामगोपाल काला, रोडूलाल वर्मा सहित मंडल पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण बंधु उपस्थित रहे।

मरीजों को एंबुलेंस सही समय पर प्राप्त हो, एंबुलेंस की लोकेशन फिक्स करें-कलेक्टर

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सुशासन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि, मरीज को एंबुलेंस की सुविधा समय पर प्राप्त होनी चाहिए। इसके साथ ही एंबुलेंस का लोकेशन फिक्स करें। अगर मरीज को एंबुलेंस सही समय पर नहीं मिलती है, तो कार्यवाही के लिए भोपाल पत्र लिखें। एंबुलेंस कोऑर्डिनेटर बेहतर समन्वय करके अच्छे से एम्बुलेंस चलवाए। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, स्वास्थ्य विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

क्षय रोगों से बचाव के लिए निक्षय मित्र बनाएं। इस कार्य में जन अभियान परिषद का भी सहयोग ले। आयुष्मान के अंतर्गत प्रत्येक पीएससी को रजिस्टर करें। इसके साथ ही पीएससी के प्रत्येक डॉक्टर का भी लॉगिन बनाएं। प्राइवेट अस्पताल आयुष्मान का लाभ देने के दौरान अगर कोई गलती जानबूझकर करते हैं, जिससे मरीजों को परेशानी होती हैं। इस संबंध में सीएमएचओ प्राइवेट अस्पताल का आयुष्मान का पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही करें।

13 हजार शिक्षकों को उच्च पद पर का देना है प्रभार, अटक रही है प्रक्रिया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देने की प्रक्रिया ने शिक्षकों की तबादला नीति और अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया को भी प्रभावित कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग एक साल से उच्च पद का प्रभार दे रहा है, पर अब तक सभी पात्र शिक्षकों को प्रभार नहीं दिए जा सके हैं। यही कारण है कि शिक्षकों की तबादला नीति भी प्रभावित हो रही है और इसका असर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति पर भी पड़ रहा है।

मंदसौर जिला सहित प्रदेश में 13 हजार शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार दिया जाना है। इनमें से अभी तक करीब 13500 शिक्षकों को ही प्रभार दिया गया है। जबकि उच्च पद के प्रभार की प्रक्रिया पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले शुरू हो गई थी। विभाग करीब 1500 शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देने के आदेश अब भी जारी नहीं कर पाया है। यह शिक्षक अब नाराज है। यही कारण है कि शिक्षकों की तबादला नीति जारी नहीं हो पा रही है। रिक्त पदों को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के कारण अतिथि शिक्षक रखने में भी दिक्कत आ रही है। विभाग के अधिकारी बताते हैं कि उच्च पद के प्रभार की प्रक्रिया पूर्ण होगी, तब स्कूलों में संवर्गवार खाली पदों की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी और जब यह स्थिति स्पष्ट होगी। तभी तबादले किए जा सकते हैं। बगैर इसके तबादले किए तो एक स्कूल में एक ही विषय के दो शिक्षक या और भी विकट स्थिति बन सकती है। अधिकारी कहते हैं कि उच्च पद के प्रभार के बाद खाली पदों की जानकारी एकत्र करने में दो महीने लग जाएंगे।

प्रांतीय खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विद्या भारती मालवा प्रांत के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर मंदसौर में दिनांक 28 अगस्त 2024 को प्रांतीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे तैराकी टेबल टेनिस और भारोतोल्लन विद्या में 7 विभागो के 90 भैया बहिनों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंदसौर विभाग के विभाग समन्वयक श्रीमान राघवेंद्र देराश्री, मुख्य अतिथि शासकीय हॉकी खेल आचार्य श्रीमान वैभव चैरसिया एवम चार्टेड अकाउंटेट सिद्धार्थ अग्रवाल,विद्यालय प्रबंधन समिति प्रो. राजेंद्र सिंह शिक्षण समिति के कोषाध्यक्ष श्रीमान नितेश भदादा मंचासिन रहे। अथिति परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान राजपाल सिंह सिसोदिया ने करवाया। स्वागत विद्यालय के खेल आचार्य श्रीमान आजाद सिंह सोलंकी ने किया। इसके पश्चात टेबल टेनिस प्रतियोगिता प्रभारी खेल आचार्य आजाद सिंह सोलंकी एवम श्रीमान हिमांशु बड़िका की उपस्तिथि में और भारोतोल्लन प्रतियोगिता प्रभारी प्रेम प्रताप सिंह चैहान की उपस्तिथि में विद्यालय में संपन्न हुई।

उत्तराखंड में 18वीं बार राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित हुए डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अंचल में विगत लंबे समय से रक्तदान और उससे जुड़ी अनेक गतिविधियों को सतत रूप से एक मिशन के रूप में लेकर सेवा कार्य करने वाले मनोचिकित्सक एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ हिमांशु यजुर्वेदी को, ब्लड डोनर इन ऋषिकेश टिम, ऋषिकेश, उत्तराखंड के माध्यम से 'ब्लड मोटीवेटर' राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पूर्व मुख्यमंत्री माननीय सांसद हरिद्वार श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, ऋषिकेश मेयर श्रीमती अनिता ममगाई, कैप्टन गोविंद सिंह रावत, श्री संजीव चौहान जिला पंचायत सदस्य, गढ़वाली समाज के वरिष्ठजनों एवं मंचासिन समाजसेवियों के संयुक्त कर कमलों से प्रदाय किया गया।

इस सम्मान समारोह में देश भर के 25 से अधिक राज्यों के तकरीबन 100 रक्तसेवियों, संस्था प्रमुखों और रक्तसेवा से जुड़े रक्तमित्रों को आमंत्रित किया गया था। उल्लेखनीय है की डॉ हिमांशु यजुर्वेदी वर्ष 1997 से रक्तदान के क्षेत्र से जुड़कर लगातार इस सेवा कार्य को कर रहे है, जिसके चलते उनके द्वारा अब तक स्वयं 58 बात रक्तदान किया जा चुका है और अनेक व्यक्तियों और संस्थाओं के सहयोग से देशभर में कई जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध करवाया है। इसी सेवा प्रकल्प के चलते अब तक भारत वर्ष के 9 राज्यों में अनेक उपाधियों ब्लड कमांडो, ब्लड मैन, ब्लड मशीन और रक्तवीर जैसी उपाधियों से अलंकृत किया जा चुका है। वर्तमान में डॉ यजुर्वेदी द्वारा थेलेसिमिया उन्मूलन और जागरण पर प्रदेश स्तर पर कार्य किया जा रहा है ताकि इस बीमारी से होने वाले संतान की उत्पत्ति को रोका जा सके और पीड़ित बच्चो को समुचित उपचार मिल सके।

श्रीमती सीमा हरगौड़ के एलटीटी ऑपरेशन में हुई लापरवाही के विरुद्ध ज्ञापन दिया

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्रीमती सीमा हरगौड पति निलेश हरगौड सीतामऊ का 10 साल पहले एलटीटी ऑपरेशन हुआ था डॉक्टरों ने उनके पेट में कैंची छोड़ दी थी 10 साल उन्होंने बहुत शारीरिक और मानसिक यातना सहन की। हाल ही में अहमदाबाद में उनके पेट का ऑपरेशन करके कैंची निकल गई। सीमा जी को उचित मुआवजा दिए जाने के संबंध में तथा दोषियों को दंड दिए जाने हेतु मंदसौर के समाज जनों ने महासभा अध्यक्ष श्री मनोज दुबे के नेतृत्व में ज्ञापन दिया ज्ञापन मंदसौर कलेक्टर के पी ए ने ग्रहण किया।

ज्ञापन देने वाले दल में मंदसौर के समाज जन- मनोज दुबे, अशोक जोशी , चंद्रशेखर शर्मा, नर्मदा शंकर जोशी, प्रदीप शर्मा, शांतिलाल दुबे, कृष्ण वल्लभ जोशी, लक्ष्मीकांत शुक्ल, राज हरगोड, परमानंद दुबे, रघुनंदन उपाध्याय, दिनेश जोशी, अनिल परसाई, सूर्यकांत शुक्ल, नितिन हरगोड, संतोष परसाई। ज्ञातव्य है कि इस संबंध में महासंघ द्वारा जिला कलेक्टर मंदसौर को पूर्व में एक मेल कर दिया गया है

सदस्यता अभियान को लेकर दलौदा मंडल की कार्यशाला सम्पन्न

दलौदा, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व सदस्यता अभियान को लेकर दलौदा मंडल की कार्यशाला ओम कृष्णा पेलेस दलौदा पर आयोजित हुई कार्यशाला का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवम डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व बैंक अध्यक्ष मंडल के सदस्यता अभियान के मुख्य वक्ता श्री भोपाल सिंह सिसोदिया ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के निर्देश पर पूरे प्रदेश में भाजपा के नए सदस्य बनेंगे उसी को लेकर दलौदा मंडल के प्रत्येक बूथ पर ऑन लाइन सदस्य बनाना हे भाजपा दलौदा मंडल के प्रत्येक बूथ पर 300/300 सदस्य बनाना हे भाजपा जिला महामंत्री श्री गणपत सिंह आंजना ने कहा कि जिले ने दलौदा मंडल को 21000 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया हे उस लक्ष्य को एक एक कार्यकर्ता को अभियान के रूप में लेकर पूरा करना हे भाजपा ने इस सदस्यता अभियान को संगठन पर्व 2024 नाम दिया हे देश के

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा 2 सितम्बर को सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे उसके बाद हम प्रत्येक बूथ पर सदस्य बनाना है साथ ही मंडल के द्वारा 100 सदस्य का एक फार्मेट दिया जाएगा सदस्य ऑन लाइन बनेंगे ऑफ लाइन फार्मेट भी भरना है बैठक को जिला उपाध्यक्ष श्री राजेश पालीवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि 7 दिन तक विस्तारक अपने प्रभार वाले शक्ति केंद्र में रहकर सदस्यता अधिक से अधिक करवाए स्वागत भाषण भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री विकास सुराना ने देते हुए मंडल के कार्यकताओं को मंडल मे होने वाले सदस्यता अभियान को पूरी रचना बताई ओर प्रभारी सहप्रभारी विस्तारक की घोषणा की बैठक में मंच पर सहप्रभारी पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवरानारायण पाटीदार, फतेहसिंह आंजना, मंडल महामंत्री विनोद मालवीय थे बैठक में घनश्याम बग्गड, विजय मेहता, विजय सुराना, ईश्वर लाल पाटीदार, हेमंत धनोतिया, सुमित सेन, चंद्र शेखर मंडलोई, रमेश धाकड, कांता बाई ग्वाला, हरिवलभ पाटीदार, नंदकिशोर माली, हार्दिक जैन, नगर परिषद अध्यक्ष संगीता बांग्गड, अंजू धाकड़, विमला धनोरा, जनपद सदस्य अर्चना टांक, भवानी प्रताप सिंह सिसोदिया सहित भाजपा मंडल पदाधिकारी कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष एवम बूथ की सदस्यता अभियान टोली उपस्थित थी। बैठक का संचालन भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष हेमंत धनोतिया ने किया आभार मंडल सदस्यता अभियान प्रभारी फतेहसिंह आंजना ने माना।

प्रदेश के 3 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के 3 शिक्षकों को वर्ष 2024 का राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड मिला है। यह घोषणा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा की गई है। मध्यप्रदेश के जिन 3 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित किया गया है, उनमें श्री माधव प्रसाद पटेल शिक्षक शासकीय मिडिल स्कूल लिधौरा जिला दमोह और सुश्री सुनीता गोधा शासकीय हाईस्कूल खजुरिया सारंग जिला मंदसौर हैं। इसके अतिरिक्त डिण्डोरी जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय धामनगांव की शिक्षिका श्रीमती सुनीता गुप्ता को भी राष्ट्रीय स्तर का शिक्षक सम्मान मिला है। राष्ट्रीय स्तर का शिक्षक सम्मान समारोह नई दिल्ली में 5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर होगा। चयनित हुए शिक्षकों को रजत पदक, प्रशस्ति-पत्र और 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जायेगी।

शिक्षा मंत्री ने दी बधाई-स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षकों की मेहनत का हमेशा सम्मान किया जाता है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि इन शिक्षकों के कार्यों सें अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिलेगी।

जिला खनिज प्रतिष्ठान के प्रगतिरत सभी कार्य पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें-चंद्रा

कलेक्टर ने की डी.एम.एफ. के स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यो की प्रगति की समीक्षा

नीमच, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला खनिज प्रतिष्ठान अंतर्गत वर्ष 2023-24 में स्वीकृत सभी कार्य संबंधित विभाग तेजी से पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित कार्यो की विभागवार कार्य योजना बनाकर उचित माध्यम से डी.एम.एफ. को स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला खनिज प्रतिष्ठान से स्वीकृत वर्ष 2021-22 से वर्ष 2023-24 तक के कार्यो की विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2021-22 एवं वर्ष 2022-23 में डीएमएफ से 220 कार्यो के लिए 35.63 करोड रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई। इनमें से 29.95 करोड के 204 कार्य संबंधित विभागों व्दारा पूर्ण कर लिए गए है। आठ कार्य प्रगतिरत है। कुल आठ कार्य निरस्त करने के प्रस्ताव है। वर्ष 2023-24 में राज्य निधि से 10 करोड की लागत से एक कार्य स्वीकृत किया जाकर 6 करोड की राशि जारी की गई है। यह कार्य भादवामाता में सामुदायिक एवं जन

उपयोगी सुविधाओं को विकसित करने के लिए म.प्र.राज्य पर्यटन विकास निगम व्दारा करवाया जा रहा है, जो 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। कलेक्टर ने सभी विभागों को डीएमएफ से स्वीकृत प्रगतिरत कार्यो को तेजी से पूर्ण करवाने के निर्देश भी दिए। उन्होने जो कार्य पूर्ण हो गए है, उनका उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए है। बैठक में अतिरिक्त सीईओ श्री अरविंद डामोर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र पाटिल, सभी निर्माण विभागों के कार्यपालन यंत्री एवं जिला खनिज अधिकारी नीमच व सहायक जिला खनिज अधिकारी श्री गजेन्द्र डाबर भी उपस्थित थे।

अवैध शराब सहित पकड़ा

पिपलियामंडी, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब सहित आरोपियों को पकड़ा। नाहरगढ़ पुलिस ने 10 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ शक्करखेडी निवासी भेरुलाल पिता कैलाश को, पिपलिया पुलिस ने 16 क्वार्टर के साथ अम्बाव निवासी भेरुसिंह पिता नाथूसिंह को पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ पुलिस आबकारी एक्ट में केस दर्ज किए।

मल्हार उत्सव का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 28 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। वात्सल्य पब्लिक स्कूल हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मल्हार उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मन्दसौर कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग एवं विशिष्ट अतिथि मन्दसौर पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ

सरस्वती का पूजन एवं माल्यार्पण कर की गई। मल्हार उत्सव में विद्यालय द्वारा लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय के सहायक व्याख्याता एवं तबला प्रशिक्षक निशांत शर्मा, शास्त्रीय गायक पंकज राव, तबलावादक नयन चौहान, शास्त्रीय गायिका आयुषि देशमुख, गिटारवादक अर्जुन मेडतवाल, कत्थक नृत्यांगना एवं राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित सन्नाली शर्मा, सिंथेसाईजर वादक एश्वर्य देशमुख, कत्थक नृत्यांगना घनिष्ठा व्यास, पर्णिका शर्मा, मासूम देवानी, वात्सल्य स्कूल की संगीत शिक्षक बलराम गंधर्व, अम्बाशंकर सोनी, नृत्य शिक्षिका साक्षी शिंदे एवं वात्सल्य के विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक एवं भारतीय शास्त्रीय संगीत व नृत्य से सराबोर प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथियों का स्वागत विद्यालय के स्मृति चिह्न एवं सैपलिंग भेंट कर किया गया। मल्हार उत्सव में नगर के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सदस्य एवं नगर के संगीतप्रेमी श्रोताओं ने भी अपनी उपस्थिति दी।

✻ उठावना ✻

शिवनारायणजी मिश्रा के अनुज, गोपाली मिश्रा उपाध्याय के पिता, मयंक मोहन उपाध्याय के ससुरजी, ऋतविक व कनिष्क के नानाजी श्री महेश प्रसाद मिश्रा (पूर्व अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण गौशाला व पूर्व महासचिव स्टेट बैंक ऑफ इंदौर एम्प्लॉईज कोऑर्डिनेशन कमेटी) का श्रीजी शरण 26 अगस्त, सोमवार को हो गया है श्र उठावना 29 अगस्त गुरूवार को प्रात: 10.30 बजे संजय गाँधी उद्यान, नई आबादी, मंदसौर पर रखा गया है.

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
समस्त मिश्रा परिवार, मंदसौर

होटलों की जांच केवल दो राष्ट्रीय... पेज 1 से जारी

कायदों का परचा जरूर चिपका दिया जाता है, लेकिन इस पर निगाहें डालने कोई नहीं आता है। पुलिस महकमे में भी होटलों पर ठहरने वालों की जानकारी नहीं ली जाने की बातें सामने आई है।

रात को रुकते हैं और सुबह चले जाते हैं-बताते हैं कि रात्रि में बाहरी लोग रुकते हैं और सुबह चले जाते हैं। वैसे, आईडी कार्ड व आधार कार्ड देखने के बाद ही होटल में रुकने की अनुमति मिलती है, लेकिन वह कार्ड कितना खरा है, यह भी जांचा जाना जरूरी है। होटलों की जानकारी पुलिस प्रशासन तक आधी अधूरी पहुंचती है। जबकि यह आवश्यक है कि संदिग्ध लोग एवं संदिग्ध वाहन और बाहर से आए हुए लोगों की जानकारी सही तरीके से पुलिस प्रशासन तक पहुंचे। इस प्रक्रिया में तालमेल का अभाव भी बताया गया है।

मादक पदार्थ के धंधे से जुड़े लोग भी रहते हैं सक्रिय-बताते हैं कि मादक पदार्थ से जुड़े लोग भी संदिग्ध अवस्था में आते हैं और वे चले जाते हैं। इनकी नजर पुलिस पर नहीं पड़े, ऐसी स्थिति में इसकी आशंका जरूर है कि वे फर्जीवाड़े कागजातों के भरोसे अपनी पहचान बताते हैं। पूर्व वर्षों में मादक पदार्थ की धरपकड़ में कई बाहरी लोगों के जिलेभर की होटलों में ठहरने की बात सामने आती रही है।

टेंक में डूबे राहुल की मौत का आज तक नहीं चला पता-शहर की एक होटल में वर्षों पूर्व राहुल नामक युवक का शव होटल की टेंक में मिला था। मृतक राहुल होटल में कैसे पहुंचा तथा टेंक में किन परिस्थिति में पहुंच गया, इसका आज तक पता नहीं चल सका है। साथ ही राहुल की मौत का राज तो राज ही बनकर रह गया है।

बिजली बिल के बकायादारों के... पेज 1 से जारी

एक्स और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करेगी। सोशल मीडिया में बिजली बिल के बकायादारों के नाम के साथ ही उनका पता और बिल की बकाया राशि भी लिखी जाएगी। उपभोक्ताओं के वाट्सएप ग्रुप बनाकर बकायादारों की सूची पोस्ट की जाएगी। ग्वालियर में कुछ बकायादारों के नाम तो सोशल मीडिया के साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर भी उजागर किए जा चुके हैं। कंपनी अधिकारियों के अनुसार कई रसूखदार ऐसे हैं जिन्होंने कई महीनों का बिजली बिल नहीं भरा है। अब ऐसे बकायादारों को बदनाम कर बिजली का बिल वसूलने की तैयारी की जा रही है।

✻✻✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुर्तजा पिता शेख गुलाम अब्बास ने अपना नाम परिवर्तन कर मुर्तजा रामपुरा वाला पिता शेख गुलाम अब्बास कर लिया हैं। अतः आईन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम मुर्तजा रामपुरा वाला के नाम से जाना व पहचाना जाए।

पता-117, बुरहानी मस्कन वार्ड नं. 05 बोहरा गली, सीतामऊ

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट
कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com
क्रमांक 61/2024 दिनांक 28.08.2024

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा आजाद बाई पति पारसमल, जाति जैन, निवासी बानीखेड़ा रोड, अम्बिका नगर दलौदा, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर से आवासीय भवन पंजी. के पृष्ठ क्रमांक 19, सरल क्रमांक 92 पर दर्ज होकर मकान का पश्चिमी भाग जो ग्राम बानीखेड़ी रोड अम्बिका नगर बानीखेड़ी मगरा दलौदा, तहसील दलौदा जिला मंदसौर उनके हक और हिस्स्से का स्वत्वः त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392019ए1444772 दिनांक 25.06.2019 से मेरे पक्षकार राकेश पिता पारसमल, जाति जैन, निवासी बानीखेड़ा रोड, अम्बिका नगर, दलौदा तहसील दलौदा जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-दानवाले मकान का शेष भाग, पश्चिम में-कमलसिंह का मकान, उत्तर में-रास्ता (बानीखेड़ी रोड), दक्षिण में-शुगरमिल की जमीन, पैमाईश रकबा-570 वर्गफीट या 52.95 वर्गमीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in